राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 25 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-298 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## गोवा कोर्ट से नाइटक्लब के 2 मैनेजर को मिली जमानत

■ आग लगने से गई थी 25 लोगों की जान

एजेंसी

**गोवा।** एक अदालत ने इस महीने की शुरूआत में आग लगने की घटना में 25 लोगों की मौत से जुड़े मामले में गिरफ्तार किए गए ह्यबर्च बाय रोमियो लेनह्न नाइटक्लब के दो मैनेजरों को मंगलवार (23 दिसंबर) को जमानत दे दी। जिला न्यायाधीश डी. वी. पाटकर ने नाइटक्लब के मैनेजर राजवीर सिंघानिया और प्रियांशु ठाकुर को कुछ शर्तों के साथ जमानत मंजूर की ।हालांकि, अदालत ने इसी मामले में गिरफ्तार तीसरे मैनेजर विवेक सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी। मालूम हो कि उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव में स्थित इस नाइटक्लब में 6 दिसंबर को भीषण आग लग गई थी, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे के एक दिन बाद यानी 7 दिसंबर को तीनों मैनेजरों को गिरफ्तार किया गया था। इधर, प्रत्यर्पण के बाद भारत लाए गए इस अग्निकांड के मुख्य आरोपी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा की पुलिस हिरासत को बढ़ा दी गई है। यह फैसला गोवा की एक अदालत ने सोमवार (22 दिसंबर) को लूथरा बंधुओं की पेशी के दौरान सुनाया। ये दोनों भाई नाइटक्लब ह्यबिर्च बाय रोमियो लेन के मालिक हैं। हादसे के बाद दोनों आरोपी थाईलैंड भाग गए थे, लेकिन वहां से उन्हें 17 दिसंबर को भारत वापस भेज दिया गया।

## नवनीत राणा के ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले बयान पर सियासत

■ कांग्रेस बोली- ये पागलपन खत्म होना चाहिए

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भाजपा नेता नवनीत राणा ने मंगलवार को अपने एक बयान में आरोप लगाया कि हिंदुस्तान को पाकिस्तान बनाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने हिंदुओं से तीन-चार बच्चे पैदा करने की अपील की। भाजपा नेता की इस अपील पर अब सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस पार्टी ने भाजपा नेता के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा और आरएसएस की पागलपन वाली सोच अब खत्म होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने नवनीत राणा के बयान पर कहा, 'हमें संख्या को लेकर वैज्ञानिक आधार पर सोचना चाहिए, न कि कोई अंधविश्वास रखना चाहिए। भारत की बढ़ती जनसंख्या चिंताजनक है। जो राज्य जनसंख्या नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा और आरएसएस की ये पागलपन वाली सोच खत्म होनी चाहिए।'नवनीत राणा ने महाराष्ट्र के अमरावती में मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मैं सभी हिंदुओं से अपील करती हूं कि अगर वे (मुस्लिम) 19 बच्चे पैदा कर रहे हैं तो हमें कम से कम 3-4 बच्चे तो पैदा करने चाहिए।

## इसरो ने 6100 किग्रा. का अमेरिकी सैटेलाइट लॉन्च किया

### भारत से भेजा गया यह सबसे भारी उपग्रह, धरती पर कहीं से भी वीडियो कॉल कर सकेंगे

**श्रीहरिकोटा।** आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (ISRO) ने बुधवार सुबह LVM3-M6 रॉकेट से अमेरिकी सैटेलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 लॉन्च किया। 6,100 किलोग्राम वजनी ब्लूबर्ड, भारत से लॉन्च किया गया अब तक का सबसे भारी सैटेलाइट है। इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने इसे देश के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। इससे पहले, नवंबर में लॉन्च किया गया LVM3-M5 कम्युनिकेशन सैटेलाइट-03 करीब 4,400 किलोग्राम का था। इसे जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) में स्थापित किया गया था। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को जिस LVM3-M6 रॉकेट से लॉन्च किया गया, उसका वजन 640 टन है। यह भारत का सबसे भारी लॉन्च व्हीकल है। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 नेक्स्ट-जेन कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जिसका मकसद सामान्य स्मार्टफोन तक सीधे हाई-स्पीड सेल्युलर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पहुंचाना है। इसके जरिए धरती पर कहीं से भी बिना टावर 4G और 5G वॉयस कॉल, वीडियो कॉल, मैसेजिंग, स्ट्रीमिंग और डेटा सेवाएं उपलब्ध होंगी।

यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) और अमेरिका स्थित AST स्पेसमोबाइल (AST एंड साइंस, LLC) के बीच हुए एक कॉमर्शियल समझौते का हिस्सा है। न्यूस्पेस इंडिया, ISRO का कॉमर्शियल ब्रांच है। इसरो के मुताबिक, करीब 43.5 मीटर ऊंचा LVM3-M6 रॉकेट बुधवार सुबह 8:54 बजे श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से रवाना हुआ। लगभग 15 मिनट की उड़ान के बाद ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट रॉकेट से अलग हुआ और करीब 520km ऊपर अंतरिक्ष के लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) में उसे सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। रॉकेट को 90 सेकेंड देरी से, सुबह 8:55:30 लॉन्च किया गया था। इसे पहले सुबह 8:54 बजे लॉन्च किया जाना था। इसरो के अनुसार, श्रीहरिकोटा के स्पेस एरिया के ऊपर हजारों एक्टिव सैटेलाइट लगातार गुजर रहे थे। अन्य सैटेलाइट के साथ टकराव की आशंका को देखते हुए मिशन का लॉन्च समय 90 सेकेंड बढ़ाया गया। LVM3-M6, जिसे GSLV Mk-III भी कहा जाता है, ISRO का तीन-चरणीय रॉकेट है।

## गडकरी बोले: देश में हिंदू-मुस्लिम समस्या के लिए कांग्रेस जिम्मेदार

### सेक्युलरिज्म की गलत व्याख्या की, इसका अर्थ धर्मनिरपेक्षता नहीं, सर्व धर्म समभाव है

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा, 'देश में आज भी जो हिंदू-मुस्लिम से जुड़ी समस्याएं दिखती हैं, उनकी वजह कांग्रेस की सेक्युलरिज्म की सोच और वोट बैंक की राजनीति है। कांग्रेस ने सेक्युलरिज्म की गलत व्याख्या की।' गडकरी के मुताबिक, 'सेक्युलर का अर्थ धर्मनिरपेक्षता या किसी एक वर्ग का तुष्टिकरण करना नहीं है। इसका सही मतलब 'सर्व धर्म समभाव' होता है, यानी सभी धर्मों को समान सम्मान और सबको न्याय और सभी के साथ बराबरी का व्यवहार करना है।' गडकरी दिल्ली में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष प्रो. वासुदेव देवनानी की किताब 'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि' के लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी मौजूद थे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बयान को दोहराते हुए कहा कि

भारत पहले भी सेक्युलर था, आज भी है और हमेशा रहेगा। यह बीजेपी-फर की वजह से नहीं, बल्कि भारतीय, हिंदू और सनातन संस्कृति की वजह से है, जो विश्व का कल्याण सिखाती है। भारतीय संस्कृति सहिष्णु, करुणामय और सभी को साथ लेकर चलने वाली है और इतिहास में किसी हिंदू राजा द्वारा धार्मिक स्थलों को नष्ट करने का उदाहरण नहीं मिलता। नितिन गडकरी मंगलवार को ही एक अन्य कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा- 'नेशन फर्स्टह्न की सोच केवल नारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसके लिए देश के इतिहास को ईमानदारी से समझना, व्यवस्था की कमियों को पहचानना और भविष्य की क्षमताएं विकसित करना जरूरी है। गडकरी ने कहा कि आधुनिकीकरण अंधी नकल पर नहीं, बल्कि सभ्यतागत आत्मविश्वास पर आधारित होना चाहिए। इस मौके पर भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी और सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल वीजी खंडारे भी मौजूद थे। सबसे पहली समस्या है, जो 1947 के बाद कांग्रेस लगातार हती आई है वह है सेक्युलरवाद। सबसे पहले आप घर जाकर डिक्शनरी में सेक्युलर शब्द का अर्थ क्या है, वह निकालिए। सेक्युलर का अर्थ धर्म-निरपेक्षता नहीं है। सेक्युलर का अर्थ है सर्वधर्म समभाव। लेकिन वोट बैंक पॉलिटिक्स के लिए समस्या सुलझाने के बजाए उसका निर्माण किया। जावेद अख्तर ने एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से मुलाकात की थी। जावेद अख्तर ने वाजपेयी से पूछा- कि अगर आपका शासन आएगा तो सेक्युलरवाद खत्म हो जाएगा। तो अटलजी ने कहा- यह देश सेक्युलर है, सेक्युलर था और सेक्युलर ही रहेगा। हम कहते हैं कि विश्व का कल्याण हो। हम कभी ये नहीं कहते कि मेरा कल्याण हो, मेरे परिवार का कल्याण हो। स्वामी विवेकानंद ने भी शिकागो में जो भाषण दिया था। उसमें उन्होंने कहा था कि मैं यहां यह कहने नहीं आया हूं कि मेरा धर्म श्रेष्ठ है और मेरा भगवान श्रेष्ठ है।

## बेंगलुरु : प्रपोजल ठुकराने पर युवती से छेड़छाड़-मारपीट

■ आरोपी ने शरीर दबोचा, कपड़े फाड़ने की कोशिश की

एजेंसी

**बेंगलुरु।** कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित ज्ञानज्योतिनगर में प्रपोजल ठुकराने पर एक पेइंग गेस्ट (PG) के बाहर 21 साल युवती से छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। घटना 22 दिसंबर को दोपहर करीब 3:20 बजे की है। पूरी घटना पास लगे CCTV कैमरे में कैद हुई है। वीडियो फुटेज में दिखा कि एक युवती स्कूटी पर बैठी है। दूसरी युवती स्कूटी के पास खड़ी है। इसी दौरान आरोपी काले रंग की कार से वहां पहुंचता है और बीच रास्ते पर गाड़ी खड़ी कर देता है। फिर स्कूटी के पास खड़ी युवती के पास जाकर उसे दोनों हाथों से दबोच लेता है। आरोपी युवती के साथ अश्लील हरकतें करने लगता है। उसके कपड़े फाड़ने की कोशिश करता है। वह युवती के सिर, पीठ और गर्दन पर कई बार हमला भी करता है। युवती खुद को बचाने के लिए चीखती-चिल्लाती है, लेकिन मौके पर मौजूद 2 से 3 लोगों में कोई उसकी मदद नहीं करता है। पीड़िता की शिकायत पर

ज्ञानभारती पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान येलहंका के पास बिलमरनहल्ली के रहने वाले नवीन कुमार एन (29 साल) के रूप में हुई है। पीड़ित चिक्कमगलुरु जिले के श्रृंगेरी की रहने वाली है। वह करीब दो साल पहले बेंगलुरु आई थी और एक डेवलपर फर्म में टेली-कॉलर के तौर पर काम कर रही थी। पुलिस को दी शिकायत में युवती ने बताया कि 30 सितंबर को उसने अपने ऑफिस से जुड़ा एक विज्ञापन इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। इसी पोस्ट पर नवीन कुमार ने संपर्क किया। कुछ दिन चैट के बाद दोनों ने मोबाइल नंबर शेयर किए। इसके बाद आरोपी लगातार कॉल और मैसेज करने लगा और नगरभावी इलाके में उससे मिलने लगा।

## सर्व-समाज का छत्तीसगढ़ बंद...कांकेर में फिर बवाल, भीड़ ने महिला का तोड़ा घर

एजेंसी

**कांकेर।** जिले के आमाबेड़ा में हुई हिंसा और कथित धर्म परिवर्तन के विरोध में कई सामाजिक संगठनों ने आज छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया है। प्रदेशभर में बंद का असर दिखा। रायपुर, दुर्ग और जगदलपुर में स्कूल, दुकानें और कई कॉमर्शियल प्रतिष्ठान सुबह से बंद हैं। वहीं टउइ जिले में बंद बेअसर रहा। वहीं कांकेर में फिर से बवाल हो गया है। आमाबेड़ा के उसेली गांव की धर्मांतरित महिला राम बाई तारम का घर तोड़ दिया है। राम बाई तारम का कहना है कि हिंदू धर्म में वापस आने को तैयार नहीं है, इसी

बात को लेकर गांव वालों ने तोड़फोड़ की। 5-6 साल से ईसाई धर्म को मान रहे हैं। बीमारी के इलाज के लिए हिंदू धर्म छोड़े हैं। रायपुर में हिंदू संगठनों के सदस्य, चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों के साथ मिलकर बंद करवा रहे हैं। हिंदू संगठन के लोग लाठी-डंडे लेकर सड़क पर उतरे हैं। लोगों से अपनी दुकानें बंद रखने की अपील कर रहे हैं। जगदलपुर, अंबिकापुर, दुर्ग और बिलासपुर में भी सुबह से सभी दुकानें बंद हैं। इस बंद को फर, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स और राज्य के कई व्यापारिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों का समर्थन मिला है। बाजार, दुकानें और प्राइवेट संस्थान बंद हैं, जबकि अस्पताल, मेडिकल स्टोर और इमरजेंसी सेवाएं खुली हैं।

## कारोबारी माल्या-ललित मोदी का वीडियो: खुद को भारत के 'दो सबसे बड़े भगोड़े' कहा,

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारत में आर्थिक अपराधी घोषित विजय माल्या और ललित मोदी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें ललित मोदी खुद को और माल्या को भारत के दो सबसे बड़े भगोड़े कह रहा है। वीडियो माल्या के जन्मदिन का है। इसे ललित मोदी ने 22 दिसंबर को खुद पोस्ट किया है। मीडिया में खबर 23 दिसंबर को आई। अपनी पोस्ट में ललित ने लिखा- चलो, फिर से इंटरनेट हिला देता हूं। खासकर आप मीडिया वालों के लिए। जलन के साथ देखते रहिए। वहीं, माल्या अपनी पार्टनर पिंकी लालवानी के साथ मुस्कुराते नजर

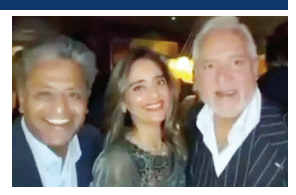

आ रहे हैं। इस बीच, बॉम्बे हाईकोर्ट में मंगलवार को माल्या की याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में माल्या ने खुद को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने के आदेश को चुनौती दी है। कोर्ट ने माल्या के वकील से पूछा कि वह (माल्या) भारत कब लौटेंगे। कोर्ट ने कहा कि माल्या फिलहाल भारतीय अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। ऐसे में उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकती।

## 20 साल बाद उद्धव-राज ठाकरे की पार्टी में गठबंधन

### कहा: हमारी सोच एक, बंटेंगे तो बिखरेंगे, 29 नगर निगम चुनाव में 15 जनवरी को मतदान

एजेंसी

**मुम्बई।** उद्धव और राज ठाकरे ने बुधवार को बृहन मुंबई नगर निगम (BMC) चुनाव एक साथ लड़ने का ऐलान किया। 20 साल बाद दोनों की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) और मनसे में चुनावी गठबंधन हुआ है। इससे पहले 2005 में राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर मनसे पार्टी बनाई थी। दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी सोच एक है अगर बंटेंगे तो बिखरेंगे। महाराष्ट्र के लिए हम सब एक हैं। इससे पहले दोनों नेता शिवाजी पार्क स्थित बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। महाराष्ट्र में BMC समेत 29 नगर निगमों में 15 जनवरी को वोटिंग होगी। 16 जनवरी को रिजल्ट आएगा। राज ठाकरे बोले- मुंबई का मेयर मराठी होगा: मैने एक बार कहा था कि हमारी आपसी किसी भी विवाद या लड़ाई से महाराष्ट्र बड़ा है। आज की बैठक के बाद हम अन्य नगर निगमों के लिए भी घोषणा करेंगे। मुंबई का मेयर मराठी ही होगा और वह हमारे दल से होगा। उद्धव ठाकरे बोले- बंटेंगे तो हम सब बिखर जाएंगे: मैं सभी से अनुरोध और अपील करता हूं कि पिछली विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसा दुष्प्रचार किया था। मैं मराठी लोगों

से कहना चाहता हूं- अब अगर आपसे चूक हुई तो सब खत्म हो जाएगा। अब अगर हम बंटे तो पूरी तरह मिट जाएंगे। इसलिए न टूटें, न बंटें। मराठी अस्मिता की विरासत को न छोंड़ें। मराठी वोटों का एकीकरण: अब तक शिवसेना (उद्धव गुट) और MNS (राज ठाकरे) के अलग-अलग रहने से मराठी वोट बंटते थे। अब मराठी वोट एकसाथ आ जाएगा। इसका सीधा असर BJP और कांग्रेस-NCP गठबंधन पर पड़ेगा BJP के लिए चुनौती: BJP ने मुंबई में शहरी, गुजराती और उत्तर भारतीय वोटों में पकड़ बनाई है। ठाकरे भाइयों का साथ आना BJP के लिए सीधी सियासी चुनौती बन सकता है। खासकर मध्य मुंबई और मराठी बहुल इलाकों में। शिंदे गुट पर दबाव: एकनाथ शिंदे गुट खुद को 'असली शिवसेना' बताता है। ठाकरे भाइयों की एकजुटता से शिंदे गुट की वैधता पर सवाल उठेगा और कैडर में असमंजस पैदा हो सकता है। BMC पर नियंत्रण की लड़ाई: BMC देश की सबसे अमीर नगर निगम है। लंबे समय तक शिवसेना का दबदबा रहा।साथ आने से उद्धव ठाकरे की खोई हुई राजनीतिक जमीन मजबूत हो सकती है। BMC चुनाव सिर्फ नगर निगम का नहीं, बल्कि मुंबई की सत्ता हासिल करने की लड़ाई है। इसलिए यह महायुति और महाविकास अघाड़ी के लिए साख का सवाल है। 74,000 करोड़ रुपए के बजट वाली एशिया की सबसे बड़ी सिविक बॉडी BMC पर बिना बंटे शिवसेना ने (1997-2017) तक राज किया था। तब BJP उसकी सहयोगी थी। मुंबई नगर निगम का बजट गोवा, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के बजट से भी बड़ा है। यही कारण है कि भाजपा, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, एकनाथ शिंदे की शिवसेना, कांग्रेस, शरद पवार और अजीत पवार अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं।

## 'भारत हमेशा श्रीलंका के साथ खड़ा मिलेगा...',

### पीएम मोदी ने दिसानायके को लिखा पत्र; मदद का आश्वासन

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने चक्रवात दित्वाह के बाद भारत की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत मिलकर श्रीलंका में जीवन को फिर से पटरी पर लाने और देश को मजबूत बनाने में सहयोग करेगा। उन्होंने चक्रवात प्रभावित श्रीलंका की मदद के चलाए गए भारत के 'ऑपरेशन सागर बंधु' की भी सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राहत सामग्री, आपातकालीन सामान और खोज व बचाव कार्यों में जुटे भारतीय दलों ने चिकित्सा आपात स्थितियों से निपटने और संपर्क व संचार व्यवस्था बहाल करने में श्रीलंका की मदद की।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में लिखा कि 'पड़ोसी पहले' नीति और 'पहले प्रतिक्रिया देने' की प्रतिबद्धता के तहत भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया। इसके तहत भारतीय जहाजों, विमानों और हेलिकॉप्टर्स से राहत सामग्री और जरूरी सामान पहुंचाया गया। भारतीय दलों ने खोज और बचाव कार्यों में सहयोग किया और चिकित्सा आपात स्थितियों व

महत्वपूर्ण संचार व्यवस्था को बहाल करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने श्रीलंका में कई लोगों की मदद की और इसे भारत-श्रीलंका के गहरे संबंधों का प्रतीक माना गया। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि अब जब श्रीलंका पुनर्निर्माण के अगले चरण की ओर बढ़ रहा है, तो भारत एक भरोसेमंद साझेदार और सच्चे मित्र के रूप में हरसंभव सहायता देगा। उन्होंने कहा कि पहले की तरह भारत श्रीलंका के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा और देश को फिर से मजबूत बनाने में सहयोग करेगा। पत्र में पीएम मोदी ने यह भी जानकारी दी कि भारत श्रीलंका को एक व्यापक सहायता पैकेज प्रदान करेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि श्रीलंका पहले से ज्यादा मजबूत होकर उभरेगा और राष्ट्रीय विकास व प्रगति की इस यात्रा में उसे हमेशा भारत का साथ मिलेगा। इससे पहले मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कोलंबो में बताया कि भारत ने चक्रवात दित्वाह के बाद श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सहायता पैकेज प्रस्तावित किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# भारतीय राजनय के शिखर पुरूष अटल जी

**(25 दिसम्बर जन्मदिन पर विशेष)**

**(लेखक- रविन्द्र यति)**

अटल बिहारी वाजपेयी के सर्व मान्य नेता होने के पीछे उनमें कुछ ऐसे दुर्लभ गुण है, जो वास्तविकताओं से विद्रोह करते है, विरोधाभासों को तोड़ते है। आजादी के छः दशकों में अटल जी ने लोकसभा चुनाव में दस बार विजय का वरण किया। लेकिन अधिकांश समय अपने राजनैतिक जीवन में विपक्ष में रहे। विपक्ष में लगातार रहने वाले राजनेता की मानसिकता आक्रामक हो जाना एक स्वाभाविक बात है। उनकी जबान में कटुता भी देखी जाती है। नकारात्मक सोच उनका स्वभाव भी बन जाता है। लेकिन अटल जी ने यहाँ अपने को अपवाद सिद्ध किया। यही कारण है उनमें जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के साथ-साथ दर्शन होते है। अटल जी के समृद्ध और परिपक्व सोच ने ही उन्हें भारतीय लोकतंत्र में गठबंधन राजनीति के महान शिल्पी का स्थान दिया। देश के विस्तृत भूभाग में जितनी विविधता और क्षेत्रीय अस्मिता की भावना हमारे यहाँ है उतनी कदाचित किसी देश में नहीं है। लेकिन बीसवी शताब्दी के अन्तिम दशक में जब देश अस्थिरता के दौर से गुजरा और दस वर्षों में पांच प्रधानमंत्री आये और गये अटल बिहारी वाजपेयी ने क्षेत्रीय दलों की आकांक्षाओं के अनुरूप राष्ट्रीय भावनात्मक एकता के सूत्र में उन्हें गुंफित किया। भारतीय राजनीति को छः वर्षो में ऐसी स्थिरता प्रदान की कि भारत का स्वाभिमान बढ़ा। परमाणु शक्ति संपन्न देशों में भारत की गणना हुई और देश में प्रचुरता, बहुलता, समृद्धि का ऐसा युग आया जिसने मंहगाई के पैर बांध दिये। कांग्रेस का हाथ आम आदमी के साथ नारे देकर सत्ता में आने वाली यूपीए सरकार के तीन वर्षो के कटु अनुभव आज अटल विहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के कार्यकाल की याद रोमांचित कर देते है।

नब्बे के दशक में गैर कांग्रेसवाद जब चरम पर पहुंचा तो गैर कांग्रेसी सरकारें की आवक हुई। मगर जितने भी गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने वे अल्पजीवी रहे। तब अटल बिहारी वाजपेयी ने ही बाजी मारी। इतना ही नहीं भारतीय संसदीय इतिहास में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के बाद अटल बिहारी वाजपेयी और नरेन्द्र मोदी ही ऐसे सशक्त नेता साबित हुए जिन्होंने लगातार तीन बार प्रधानमंत्री की शपथ ली। शपथ लेने के पहले उन्होंने अपने लिये जनादेश भी प्राप्त किया। पहली बार उन्होंने 16 मई 1996 को शपथ ली। बाद में 19 मार्च 1998 को शपथ ली और केन्द्र में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन सरकार का गठन किया। पं. अटल बिहारी वाजपेयी ने अक्टूबर 1999 में प्रधानमंत्री के रूप में जनादेश के लिये देश के मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा था कि वे देश की जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे। जनता के साथ छल नहीं करेंगे। इसका उन्होने अक्षरशः पालन करके दिखाया था। तब कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी की एक टिप्पणी की राजग सरकार देश को बेच रही है पर उनका शालीन सा जवाब था कि भारत को विश्व में कोई खरीदने की क्षमता वाला नहीं जन्मा है। आज यह टिप्पणी कांग्रेस और सोनिया गांधी पर ही भारी पड़ रही है।

अटल बिहारी वाजपेयी जी वास्तव में राजनीति को जिस शिखर पर ले जाने में सफल हुए वह भले ही चरम न हो लेकिन हर दल और राजनेता के लिये वहां तक पहुंचना कठिन अवश्य है। दिवस की संध्या में सेनाएं भी विश्राम करती है। अपने जीवन की संध्या में हर व्यक्ति के मन में शीर्ष पर बने रहने की अनन्त अभिलाषा होती है। लेकिन एक महान योद्धा की तरह अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व अपने वरिष्ठतम साथी क्षमतावान कंधों पर लालकृष्ण आडवाणी को सौंपकर खुद मार्गदर्शक की भूमिका में बने रहने का जो संदेश दिया है वह न दैन्यम न पलायनम् का उद्घोष करता है। इसने देश की जनता और संगठन के कार्यकर्ताओं को चरैवेति-चरैवेति का संदेश दिया है।

अटल बिहारी वाजपेयी ने अपनी प्रशस्ति के लिये कभी पूर्ववर्ती को निशाने पर न लेकर अपनी परिपक्वता और महानता का परिचय दिया है। लेकिन विनोद में वह सब कह दिया जिसने जनता को खूब गुदगुदाया और विश्वास का सेतु बांध दिया। अटल जी और नरसिंहराव में अन्त तक मैत्री का अदभुत भाव रहा और हमेशा साथ बने रहे। उन्होंने पाकिस्तान से दोस्ती का हाथ बढ़ाया और इन्द्रकुमार गुजराल की पहल को जारी ही नहीं रखा नये चरम पर पहुंचाकर बता दिया कि प्रेम से प्रेम बढ़ता है और नफरत से नफरत बढ़ती है। अटल जी ने बस से लाहौर तक जाकर पाकिस्तान के साथ दोस्ती की एक नई शुरूआत की थी। चीन से भी मैत्री बनाये रखने के लिए उनकी दिलचस्पी रंग लायी। लेकिन अटल जी ने जब मुसर्रफ को आगरा में शांति वार्ता के दौरान ताल से बेताल हो जाने पर दो टूक शब्दों में टका सा जवाब दिया मियॉ मुसर्रफ के होश ठिकाने पर आ गये और वार्ता छोड़कर पाकिस्तान लौट गये। दरअसल अटल जी के धैर्य का बांध तब टूटा जब मुसर्रफ ने जम्मू कश्मीर के नये विभाजन का राग अलापा। तब अटल जी के जवाब का सपाट जवाब कुछ इस तरह था।

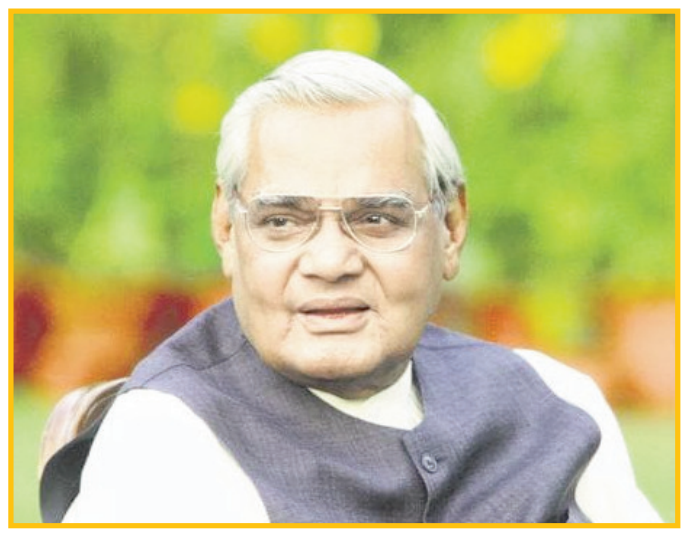

कांग्रेस के शासनकाल में देश आतंकवाद की चपेट में था और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के सुरक्षा सलाहकार नारायण और पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटिल आतंकवाद और बढ़ते नक्सलवाद को देश के लिये खतरा बता रहे थे तो बरवस अटल बिहारी वाजपेयी की दृढ़ता का स्मरण हो आता है जिन्होंने पाकिस्तान के हुक्मरानों को यह मानने के लिये विवश कर दिया था कि आतंकवाद की प्रजनन भूमि पाकिस्तान है। जब तक पाकिस्तान अपनी सरहदों से आतंकवाद पर लगाम लगाकर उसका निर्यात नहीं रोकता भारत के साथ कोई भी सार्थक शांतिवार्ता चालू नहीं हो सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह तो भारत की तरह पाकिस्तान को भी आतंकवाद का शिकार बताकर उसकी आतंकवादी भूमिका से मुक्त होने का प्रमाण पत्र दे चुके थे।

अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्रीय एकता को सशक्त बनाने में जो सफलता प्राप्त की वह संसदीय व्यवस्था को परिपक्व बनाने में संजीवनी बनी। उनकी सरकार ने तमिलनाडू के चार क्षेत्रीय दलों, कर्नाटक, आंध्र, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, महराष्ट्र, गोवा, हरियाणा, पंजाब के क्षेत्रीय दलों और जम्मू कश्मीर की नेशनल कांफ्रेस को समर्थक के रूप में हिस्सेदारी देकर देश की संघीय व्यवस्था को नया आयाम दिया था। लेकिन राष्ट्रीय हितों के साथ कभी समझौता नहीं होने दिया। अटल जी जब मोरार जी भाई के नेतृत्व में गैर कांग्रेसी सरकार में विदेश मंत्री बनाये जा रहे थे तब मोरार जी भाई को आगाह किया गया था कि अटल जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कट्टर कार्यकर्ता है। उनके विदेश मंत्री रहते पाकिस्तान से सरोकार खत्म होंगे। तब मोरार जी भाई ने साथी सलाहकारों से कहा था कि सलाहकार अपने मनोरथ में सफल नहीं होंगे। अटल जी ने तब भारत की मैत्री का विस्तार करके इस आशंका को गलत साबित किया था।

(लेखक-भारतीय जनता पार्टी भोपाल के जिला अध्यक्ष है)

**अटल बिहारी वाजपेयी जी वास्तव में राजनीति को जिस शिखर पर ले जाने में सफल हुए वह भले ही चरम न हो लेकिन हर दल और राजनेता के लिये वहां तक पहुंचना कठिन अवश्य है। दिवस की संध्या में सेनाएं भी विश्राम करती है। अपने जीवन की संध्या में हर व्यक्ति के मन में शीर्ष पर बने रहने की अनन्त अभिलाषा होती है। लेकिन एक महान योद्धा की तरह अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व अपने वरिष्ठतम साथी क्षमतावान कंधों पर लालकृष्ण आडवाणी को सौंपकर खुद मार्गदर्शक की भूमिका में बने रहने का जो संदेश दिया है वह न दैन्यम न पलायनम् का उद्घोष करता है।**

संपादकीय

## साइबर ठगी का जाल

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना टू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा। पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था, लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी। विश्वास किया जा रहा है कि अगले साल मार्च तक पूरे देश में यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस सुविधा से किसी सीमा तक मोबाइल के जरिये धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सकेगी। मोबाइल उपयोगकर्ता की सजगता इसमें मददगार हो सकेगी।

## विकसित भारत के प्रथम पथ प्रदर्शक स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी

**(लेखक-डॉ. राघवेंद्र शर्मा)**

भारतीय राजनीति के आकाश पर अटल बिहारी वाजपेयी एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र की भांति रहे, जिनकी चमक ने न केवल अपने दल को ऊर्जा दी, बल्कि पूरे राष्ट्र के लोकतांत्रिक पथ को आलोकित किया। वे भारतीय राजनीति के उन दुर्लभ और महानतम नायकों में से थे, जिनके लिए दलीय सीमाओं से कहीं अधिक राष्ट्र की सीमाएं और उसकी अस्मिता सर्वोपरि थी। अटल जी के संपूर्ण राजनीतिक जीवन का अनुशीलन करने पर यह स्पष्ट होता है कि उनके केंद्र में कभी सत्ता की लालसा नहीं रही, बल्कि सदैव राष्ट्रहित की वेदी पर उन्होंने अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक हितों की आहुति दी। उनके लिए राजनीति केवल सत्ता परिवर्तन का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक पवित्र अनुष्ठान थी। एक प्रखर वक्ता, संवेदनशील कवि और दूरदर्शी राजनेता के रूप में उन्होंने सिद्ध किया कि वैचारिक मतभेदों के बीच भी देशहित के साझा लक्ष्यों को कैसे प्राप्त किया जा सकता है। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि चाहे वे सत्ता के शीर्ष पर रहे हों या विपक्ष की कतारों में, उन्होंने कभी भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं की लक्ष्मण रेखा को नहीं लांघा। उनके लिए संसद एक राजनीतिक अखाड़ा मात्र नहीं थी, बल्कि वह एक ऐसा मंदिर था जहाँ संवाद के माध्यम से समाधान की खोज की जाती थी। वर्ष 1962 के युद्ध का कालखंड रहा हो या 1975 के आपातकाल का काला अध्याय, अटल जी ने तत्कालीन सरकारों की नीतियों की प्रखर आलोचना तो की, लेकिन संकट के समय देश की एकता और अखंडता पर कभी आंच नहीं आने दी। उनका यह विश्वास कि 'लोकतंत्र में विरोध भी राष्ट्रसेवा का ही एक रूप है', आज के दौर में भी राजनीतिक सुचिता का सबसे बड़ा मानदंड बना हुआ है।

अटल जी के नेतृत्व कौशल की सबसे बड़ी परीक्षा तब हुई जब उन्होंने 23 विभिन्न विचारधाराओं वाले दलों को मिलाकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का सफलतापूर्वक संचालन किया। भारतीय राजनीति में गठबंधन सरकारों के प्रति जो अस्थिरता और अविश्वास का भाव था, उसे अटल जी ने अपने समावेशी व्यक्तित्व और समन्वयवादी दृष्टि से स्थायित्व में बदल दिया। उन्होंने सिद्ध किया कि गठबंधन की राजनीति केवल विवशता नहीं, बल्कि विविधताओं वाले देश में सर्वसम्मति की शक्ति बन सकती है। उनके कार्यकाल के दौरान लिए गए निर्णय केवल तात्कालिक लाभ के लिए नहीं थे, बल्कि वे भविष्य के उस भारत की नींव थे जो आज दुनिया के सामने एक आर्थिक और सामरिक शक्ति के रूप में खड़ा है। उनके द्वारा शुरू की गई स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने देश के भौगोलिक फासलों को ही कम नहीं किया, बल्कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम को एक आर्थिक सूत्र में पिरो दिया। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे महानगरों को उच्च-गुणवत्ता वाले राजमार्गों से जोड़ने की इस दूरदर्शी सोच ने भारत के परिवहन और रसद क्षेत्र में जो क्रांति पैदा की, उसका लाभ आज भारतीय अर्थव्यवस्था को निरंतर मिल रहा है। बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति उनका यह समर्पण ही था जिसने भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में पहला बड़ा कदम बढ़ाया।

अटल जी के साहसिक नेतृत्व का सबसे गौरवशाली क्षण मई 1998 में आया, जब राजस्थान के पोखरण की तपती रेतीली धरती पर भारत ने पांच परमाणु परीक्षण कर पूरी दुनिया को चौंका दिया। यह केवल विज्ञान का सफल परीक्षण नहीं था, बल्कि भारत की संप्रभुता और सामरिक स्वावलंबन का उद्घोष था। पश्चिमी देशों के दबाव और प्रतिबंधों की परवाह किए बिना अटल जी ने इस निर्णय के माध्यम से विश्व में शक्ति संतुलन को भारत के पक्ष में मोड़ने का कार्य किया। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि भारत एक शांतिप्रिय राष्ट्र है, लेकिन अपनी सुरक्षा और आत्मसम्मान के साथ वह कभी समझौता नहीं करेगा। इसी कालखंड में उन्होंने तकनीक के महत्व को पहचानते हुए 1999 की नई दूरसंचार नीति के माध्यम से डिजिटल इंडिया की आधारशिला रखी। शहर और गांवों के बीच की डिजिटल खाई को पाटने की उनकी कोशिशों ने ही आज हर भारतीय के हाथ में इंटरनेट और सूचना की शक्ति प्रदान की है। इसी तरह, सर्व शिक्षा अभियान के माध्यम से उन्होंने शिक्षा को हर बच्चे का अधिकार बनाया। 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की पहल ने न केवल साक्षरता दर में वृद्धि की, बल्कि करोड़ों बच्चों के भविष्य के द्वार खोल दिए। अटल जी का मानना था कि शिक्षित नागरिक ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं, और उनकी यह सोच आज भी भारतीय शिक्षा प्रणाली का आधार स्तंभ बनी हुई है।

अटल जी केवल देश के भीतर ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शांति और सह-अस्तित्व के महान पुजारी थे। पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देश के साथ कटुतापूर्ण संबंधों के बावजूद उन्होंने शांति की पहल करने में कभी संकोच नहीं किया। कारगिल युद्ध से ठीक पहले दिल्ली-लाहौर बस यात्रा का उनका ऐतिहासिक निर्णय उनकी इसी शांतिप्रिय और पड़ोसी प्रथम की नीति का परिचायक था। उन्होंने अपनी बस यात्रा के माध्यम से यह संदेश दिया कि इतिहास को बदला नहीं जा सकता, लेकिन भूगोल के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व संभव है। वहीं दूसरी ओर, रूस जैसे पारंपरिक मित्र के साथ संबंधों को एक नई ऊंचाई प्रदान करते हुए उन्होंने सामरिक साझेदारी को संस्थागत रूप दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्षिक शिखर सम्मेलनों की शुरुआत और रक्षा-व्यापार में समझौतों ने भारत की विदेश नीति को और अधिक मजबूती दी।

अमेरिका के साथ संबंधों के मामले में अटल जी ने अत्यंत परिपक्वता का परिचय दिया। परमाणु परीक्षण के बाद जब अमेरिका ने भारत पर प्रतिबंध लगाए, तब अटल जी ने न तो घुटने टेके और न ही संबंधों को पूरी तरह टूटने दिया। उन्होंने स्पष्ट और तर्कपूर्ण संवाद के माध्यम से अमेरिका को यह विश्वास दिलाया कि भारत का परमाणु कार्यक्रम किसी के विरुद्ध नहीं, बल्कि आत्मरक्षा के लिए है। इसका सुखद परिणाम यह हुआ कि 2000 में राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा के दौरान रिश्तों में जमी बर्फ पिघली और भारत को एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में मान्यता प्राप्त हुई। अटल जी की उसी कुशल कूटनीति का विस्तार 2008 में भारत को एनएसजी से मिली विशेष छूट के रूप में दिखाई दिया, जिसने भारत को वैश्विक मंच पर एक जिम्मेदार परमाणु संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित कर दिया।

अटल बिहारी वाजपेयी का युग भारतीय इतिहास का वह समय था जब देश ने अपनी हीनभावना को त्याग कर एक आत्मविश्वासपूर्ण महाशक्ति बनने की ओर कदम बढ़ाया। उन्होंने राजनीति में शुचिता, राष्ट्रहित के प्रति अटूट निष्ठा और विरोधियों के प्रति सम्मान का जो प्रतिमान स्थापित किया, वह आज की पीढ़ी के नेताओं के लिए एक प्रकाश स्तंभ है। अटल जी शारीरिक रूप से आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी अंत्योदय की भावना, परमाणु शक्ति का गौरव, सड़कों का जाल और बच्चों के हाथों में थमाई गई शिक्षा की मशाल सदैव उनके जीवंत होने का प्रमाण देती रहेगी।

## ध्यान की तरंग

चिंतन मनन

यहूदियों में एक कथा है कि जब कोई बच्चा पैदा होता है, तो देवता आते हैं और उस बच्चे के सिर पर हाथ फेरते हैं; ताकि वह भूल जाए उस सुख को, जो सुख परमात्मा के घर उसने जाना था, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी-दयावश ऐसा करते हैं वे, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी। अगर वह सुख याद रहे, तो बड़ी कठिन हो जाएगी जिंदगी, तुलना में। तुम फिर कुछ भी करो, व्यर्थ मालूम पड़ेगा। धन कमाओ, पद कमाओ, सुंदर से सुंदर पत्नी और पति ले आओ, अच्छे से अच्छे बच्चे हों, बड़ा मकान हो, कार हो, कुछ भी सार न मालूम पड़ेगा, अगर वह सुख याद रहे।

तो यहूदी कथा कहती है कि एक देवता उतरता है करूणावश और हर बच्चे के माथे पर सिर्फ हाथ फेर देता है। उस हाथ के फेरते ही पर्दा बंद हो जाता है, उसे भूल जाता है परमात्मा। सुख भूल गया, फिर यह जीवन के दुखों में ही सोचने लगता है, सुख होगा। उस पर्दे को फिर से खोलना है, जो देवताओं ने बंद कर दिया है। मुझे तो नहीं लगता कि कोई देवता बंद करते हैं। देवता ऍसी मूढ़ता नहीं कर सकते। लेकिन समाज बंद कर देता है। शायद कहानी उसी की सूचना दे रही है। मां-बाप, परिवार, समाज, स्कूल बंद कर देते हैं, पर्दे को डाल देते हैं। ऍसा डाल देते हैं कि तुम भूल ही जाते हो कि यहां द्वार है, तुम समझने लगते हो दीवार है। ध्यान का अर्थ है, इस पर्दे को हटाना। और

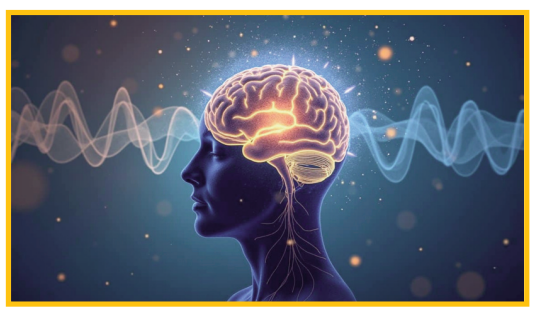

इसे अनायास होने दो इसे कभी-कभी तुम्हें पकड़ लेने दो- और जब तुम्हें यह तरंग पकड़े, तो लाख काम छोड़कर बैठ जाना।

विचार मंथन

## दवाइयों के नाम पर नशे का बढ़ता कारोबार

**(लेखक- सनत जैन )**

भारत में नशीले पदार्थों का कारोबार दवा के नाम पर होना कोई नया विषय नहीं है। हॉ यह जरुर है कि बीते कुछ दशकों में इसका स्वरूप तेजी से बदला है। पहले जहां नशा मुख्यतः शराब, अफीम, गांजा या भांग जैसे पारंपरिक माध्यमों तक सीमित था, वहीं अब यह दवाइयों की आड़ में नशे का व्यापार खुलेआम फैलता जा रहा है। आयुर्वेदिक और एलोपैथी—दोनों ही चिकित्सा पद्धतियों में दवाओं के नाम पर नशीले उत्पादों की बिक्री एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक, और युवा पीढ़ी के लिये संकट का रूप ले चुकी है। लगभग तीन दशक पहले तक अल्कोहल युक्त आयुर्वेदिक 'रिष्ट' बड़ी मात्रा में बाजार में उपलब्ध थे, जिनमें 26 से 35 प्रतिशत तक अल्कोहल होता था। रिष्ट की दवाइयां मेडिकल स्टोरों से बिना किसी रोक-टोक के बिकती थीं, जो नसेड़ियों के लिये वस्तुतः नशे का साधन बन चुकी थीं। इसी तरह भांग से बने उत्पाद भी आयुर्वेदिक औषधियों के नाम पर बेचे जाते रहे। इंदौर का प्रसिद्ध 'गटागट', जो भांग से तैयार होता था, देश के लगभग सभी राज्यों में बड़े पैमाने पर बिकता था। समय के साथ नशे का यह कारोबार आयुर्वेद से निकलकर एलोपैथी में तेजी से शिफ्ट हो गया। नींद की गोलियों का उपयोग नशे के रूप में दुरुपयोग की समस्या वर्षों से चली आ रही है। हाल के वर्षों में कफ सिरप के रूप में नशे का चलन बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। कोडीन युक्त कफ सिरप इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह दवा, जो मूलतः खांसी के इलाज के लिए बनाई जाती है, नशे के रूप में इस्तेमाल की जा रही है। इसका नशा कई घंटों तक बना रहता है। शराब की तुलना में सस्ता होने के कारण यह गांव-गांव और हर मोहल्ले में आसानी से उपलब्ध है।

कफ सिरप अब शराब की तरह नसेड़ियों द्वारा उपयोग में लाया जा रहा है। सरकारों द्वारा देसी और विदेशी शराब पर टैक्स बढ़ाए जाने से नशे के लिए कफ सिरप की बिक्री को बढ़ा रहा है। पारंपरिक शराब पीने वाले लोग अब सस्ते और आसानी से मिलने वाले नशीले विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। कफ सिरप के नशे की खास बात यह है कि इसे पीने वालों की सामाजिक छवि भी खराब नहीं होती, क्योंकि यह 卐दवा卐 के रूप में ली जाती है। यही कारण है कि इसका प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। बिहार जैसे राज्यों में जहां नशाबंदी है, वहीं सबसे ज्यादा यह बिक रहा है। यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है। भारत में तैयार कोडीन युक्त कफ सिरप बड़ी मात्रा में बांग्लादेश, पाकिस्तान और अन्य पड़ोसी देशों में दवा के रूप में निर्यात किया जा रहा है। इसके कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की छवि प्रभावित हो रही है। सूत्रों के अनुसार, यह पूरा धंधा 25 से 30 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जो इसकी भयावहता को दर्शाता है। इस पूरे तंत्र में दवा कंपनियों, केमिस्टों, पुलिस, नारकोटिक्स और एक्साइज विभाग की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। आरोप है, केंद्र और राज्य सरकारों में बैठे कुछ नीति-निर्माताओं को भी इससे आर्थिक लाभ और राजनीतिक चंदा मिलता है। यही कारण है कि कोडीन युक्त कफ सिरप बनाने वाली कंपनियां अधिक मात्रा में नशीले रसायनों का उपयोग दवा निर्माण में कर रही हैं। सरकार की ओर से की जाने वाली कार्रवाई नाममात्र की रह गई है। दवाओं के रूप में नशा उत्पाद बिकने के चलते सरकार को टैक्स का भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि युवा पीढ़ी तेजी से नशे की चपेट में आ रही है। नशा अब बीमारी के इलाज की शक्ल में घर-घर पहुंच रहा है। यह स्थिति समाज के लिए बेहद खतरनाक है। आवश्यकता है कि सरकारें दवा नियंत्रण कानूनों को सख्ती से लागू करें। राजनैतिक दलों को पिछले वर्षों में दवा कंपनियों से करोड़ों रूपयों का चंदा मिला है। वहीं राजनेताओं को भी दवा कंपिनयां उपकृत कर रही हैं। इस कारण अब नशे का कारोबार दवाईयों के नाम पर बढ़ता जा रहा है। बिना दवा के अब लोगों का उसी तरह की परेशानी हो रही है, जिस तरह नशा नहीं मिलने पर

नसेड़ियों की होती है। दवा कंपनियाँ दवाइयों को नशे के रूप में पहुंचाकर लोगों को अपनी दवाई के नशे में फंसा रही हैं। ऐसी दोषी दवा कंपनियों पर सरकार कड़ी कार्रवाई करें। समाज को इस छिपे हुए नशे के खिलाफ जागरूक करें। अन्यथा दवाइयों के नाम पर नशे का यह कारोबार आने वाले समय में एक राष्ट्रीय आपदा बन सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## भारतीय स्टार्टअप्स के लिए नकदी का वर्ष रहा- 2025

**- वित्त पोषण में कमी, सौदों का आकार बढ़ा**

**नई दिल्ली ।** 2025 भारतीय स्टार्टअप्स के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ। हालांकि कुल पूंजी जुटाना 10.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो 2024 में जुटाए गए 12.7 अरब डॉलर से 17 प्रतिशत कम है, औसत सौदे का आकार दोगुना होकर 14 लाख अमेरिकी डॉलर पहुंच गया। यह निवेशकों की बढ़ती परिपक्वता और गुणवत्ता पर जोर देने का संकेत है। बड़े सौदों में एरिशा ई मोबिलिटी (1 अरब डॉलर), जेप्टो (45 करोड़ डॉलर) और ग्रीनलाइन (27.5 करोड़ डॉलर) शामिल रहे। नकदी सृजन के मामले में स्टार्टअप्स ने सार्वजनिक बाजारों का रुख किया। लेंसकार्ट, ग्रो, मीशो और फिजिक्सवाला समेत 18 स्टार्टअप्स ने भारतीय शेयर बाजार में सूचीबद्ध होकर कुल 41,000 करोड़ रुपये (4.5 अरब डॉलर) जुटाए। 2024 में यह आंकड़ा केवल 29,000 करोड़ रुपये था। भारत के स्टार्टअप्स का वैश्विक स्तर पर प्रदर्शन बढ़ा है। 2 लाख स्टार्टअप्स में से 44,000 नए जुड़ गए, 11 नए यूनिकॉर्न बने और 18 सार्वजनिक निर्गम हुए। भारत अब अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप वातावरण बन चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2026 में वित्त पोषण 2025 से बेहतर रहेगा। निवेशकों की दिलचस्पी कृत्रिम मेधा (एआई), डी-2सी ब्रांड और उपभोक्ता सेवाओं में बढ़ेगी।

## कोल इंडिया के निदेशक मंडल ने एसईसीएल को सूचीबद्ध कराने को मंजूरी दी

**कोलकाता ।** कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के निदेशक मंडल ने साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यह कदम सीआईएल की पूरी स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी को सार्वजनिक निवेश के लिए तैयार करने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है। कोयला मंत्रालय ने सीआईएल को निर्देश दिया था कि वह अपनी प्रमुख अनुषंगी कंपनियों महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) और एसईसीएल को अगले वित्त वर्ष में सूचीबद्ध करने के लिए ठोस कदम उठाए। इसका उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में मूल्यवर्धन, कॉर्पोरेट पारदर्शिता बढ़ाना और निवेशकों को आकर्षित करना है। सीआईएल की मंजूरी अब कोयला मंत्रालय को भेजी जाएगी, जो इसे निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग को आगे भेजेगा। सूचीबद्धता की प्रक्रिया विभिन्न नियामकीय स्वीकृतियों पर निर्भर करेगी।

## इस सप्ताह पांच दिन बंद रहेंगे बैंक

**नई दिल्ली ।** इस हफ्ते देश के विभिन्न राज्यों में बैंक अलग-अलग दिनों में बंद रहेंगे। पूरे देश में दिसंबर महीने की सबसे बड़ी राष्ट्रीय छुट्टी क्रिसमस 25 दिसंबर है, जब सभी सरकारी और प्राइवेट बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा, नॉर्थ-ईस्ट के कई राज्यों में क्रिसमस के आसपास लगातार छुट्टियां पड़ रही हैं, जिससे बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। 24 दिसंबर (क्रिसमस ईव) पर आइजोल, कोहिमा और शिलॉन्ग में बैंक बंद हैं, 25 दिसंबर क्रिसमस पर पूरे देश में सभी बैंक बंद रहेंगे। 26 दिसंबर क्रिसमस सेलिब्रेशन के अवसर पर आइजोल, कोहिमा और शिलॉन्ग में बैंकिंग सेवाएं बंद रहेंगी। 27 दिसंबर को सिर्फ कोहिमा में बैंक बंद रहेंगे। 30 दिसंबर को यू कियांग नांगबह पुण्यतिथि पर शिलॉन्ग में बैंक बंद रहेंगे और 31 दिसंबर न्यू ईयर ईव/इमोइनु इराटपा पर आइजोल और इंफाल में बैंक बंद रहेंगे। बैंक बंद रहने पर यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहेंगी। हालांकि, चेक क्लियरिंग, कैश जमा-निकासी और काउंटर से जुड़े कामकाज नहीं होंगे।

# लार्जकैप और मिडकैप कट-ऑफ में भारी बढ़ोतरी की संभावना

**- कट-ऑफ बढ़ने से कुछ कंपनियां बदल सकती हैं अपनी कैटेगरी**

**मुंबई ।**

म्युचुअल फंडों के लार्जकैप और मिडकैप यूनिवर्स के लिए पात्र शेयरों का बाजार पूंजीकरण (एम-कैप) कट-ऑफ अगले पुनर्वर्गीकरण में नई ऊंचाई पर पहुंचने की संभावना है। एएमएफ़आई जनवरी के पहले सप्ताह में लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों की नई सूची जारी करेगा। नुवामा अल्टरनेटिव और क्वांटिटेटिव रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, लार्जकैप कट-ऑफ वर्तमान 91,572 करोड़ रुपए से लगभग 15 फीसदी बढ़कर 1.05 लाख करोड़ रुपए हो सकता है। जनवरी 2025 में यह कट-ऑफ पहले ही 1 लाख करोड़ से अधिक पहुंच चुका था। मिडकैप शेयरों के कट-ऑफ में भी वृद्धि की उम्मीद है।

रिपोर्ट में अनुमान है कि यह मौजूदा 30,756 करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 34,800 करोड़ रुपए हो जाएगा। इसमें नई लिस्टिंग वाले शेयर शामिल होंगे।

कोविड के बाद की अवधि में मार्केट की तेजी और सूचीबद्ध कंपनियों की बढ़ती संख्या के कारण लार्जकैप और मिडकैप की सबसे छोटी कंपनियों का आकार लगातार बढ़ा है। जनवरी 2023 से हर समीक्षा में लार्जकैप और मिडकैप कट-ऑफ बढ़ा है।

पिछले पांच साल में लार्जकैप कट-ऑफ लगभग तीन गुना बढ़ चुका है। कट-ऑफ बढ़ने से कुछ कंपनियां अपनी कैटेगरी बदल सकती हैं। टॉप लार्जकैप और मिडकैप शेयरों को फंड में शामिल किया जाएगा, जिससे निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो में बदलाव संभव है।

## रुपया गिरावट पर बंद

**मुंबई ।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.76 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में 89.51 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो मंगलवार के बंद भाव 89.63 की तुलना में 12 पैसे अधिक है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआत में 89.56 पर खुला और कारोबार के दौरान 89.65 तक भी पहुंचा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बाजार में लगभग 3 लाख करोड़ रुपये की पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराने की घोषणा ने रुपये को मजबूती दी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की ताकत को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी नीचे आकर 97.87 पर रहा।

## दावोस 2026- संवाद की भावना के तहत वैश्विक नेता जुटेंगे

**- स्विट्ज़रलैंड के दावोस में 19 से 24 जनवरी 2026 तक डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक होगी**

**नई दिल्ली ।**

स्विट्ज़रलैंड के स्की रिसॉर्ट शहर दावोस में 19 से 24 जनवरी 2026 तक विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक आयोजित होगी। इस वर्ष का विषय संवाद की भावना है। बैठक में करीब 3,000 वैश्विक नेता, जिनमें लगभग 60 राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख शामिल होंगे। डब्ल्यूईएफ के अंतरिम सह-प्रमुख आंद्रे हॉफमैन के अनुसार यह मंच खंडित दुनिया में विश्वसनीय और निष्पक्ष संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान करेगा। बैठक में विकास, भू-राजनीति, नवाचार, लोग एवं रोजगार और ग्रह जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। हॉफमैन ने कहा कि यह वार्षिक बैठक समाधान थोपने के लिए नहीं, बल्कि सुरक्षित, ईमानदार और प्रभावी बातचीत को बढ़ावा देने के लिए है। उन्होंने बताया कि रिकॉर्ड संख्या में राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिभागी इसमें हिस्सा लेंगे, जो संवाद के महत्व को दर्शाता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्यक्तिगत रूप से बैठक में शामिल नहीं होंगे, लेकिन उनके सचिवों का प्रतिनिधिमंडल इसमें भाग ले सकता है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण और इसके अंतरराष्ट्रीय प्रभाव के संदर्भ में हॉफमैन ने कहा कि डब्ल्यूईएफ ने रूसी प्रतिनिधियों को कार्यक्रम में शामिल नहीं किया है और अब भी रूस के खिलाफ अपना रुख कायम रखा है। एआई और नवाचार पर भी बैठक में जोर दिया जाएगा। हॉफमैन ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) अवसर और जोखिम दोनों लेकर आती है। गलत सूचना और जनता के विश्वास पर असर जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा जलवायु और सतत विकास डब्ल्यूईएफ की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

# शेयर बाजार लाल हल्की गिरावट पर बंद

**सेंसेक्स 116, निफ्टी 35 अंक नीचे आया**

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान तेल और गैस, फार्मा और आईटी शेयरों में भरी बिकवाली रही जिससे भी बाजार गिरा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 116.14 अंक नीचे आकर 85,408.70 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 35.05 अंक फिसलकर 26,142.10 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान बीएसई पर ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट और मारुति सुजुकी के शेयरों में बढ़त रही जबकि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, सन फार्मा और एशियन पेंट्स के शेयर गिरे। वहीं एनएसई पर श्रीराम फाइनेंस और अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों में उछाल रहा जबकि इंडिगो और डॉ. रेड्डीज लैब्स के शेयर गिरे। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.28 फीसदी की बढ़त रही, जबकि निफ्टी मिडकैप में 0.60 फीसदी तेजी रही। आज निफ्टी ऑयल एंड गैस के शेयरों में सबसे अधिक 0.76 फीसदी की गिरावट रही। वहीं मेटल और फार्मा सेक्टर के शेयर भी गिरे जबकि दूसरी ओर निफ्टी मीडिया इंडेक्स में 0.44 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलावा रियल्टी व मेटल सेक्टर में भी बढ़त रही। गिरावट का एक कारण निवेशकों के सर्तकता बरतने को भी माना जा रहा है। जिससे बाजार सीमित दायरे में बना रहा। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत सपाट रही। सुबह सेंसेक्स 140.75 अंकों की बढ़त के साथ 85,665.59 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 39.10 अंकों की बढ़त के साथ 26,216 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिकी शेयर बाजारों में तेजी रही जिससे बाजार को सहारा मिला।

# भारत के पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसर बढ़ाने में एफटीए की भूमिका: वाणिज्य सचिव

**- समझौते कानूनी रूप से बाध्यकारी हैं और पेशेवरों को विदेशों में काम करने में मदद करेंगे**

**नई दिल्ली ।**

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा है कि भारत द्वारा किए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारतीय पेशेवरों के लिए विदेशों में नए अवसर खोलेंगे। इनमें लेखाकार, डॉक्टर, आर्किटेक्ट और अन्य पेशेवर सेवाएं शामिल हैं। ये समझौते कानूनी रूप से बाध्यकारी हैं और पेशेवरों को विदेशों में काम करने में मदद करेंगे। अग्रवाल ने भारत के युवा और शिक्षित जनसंख्या को वैश्विक पेशेवर मांग को पूरा करने की क्षमता बताया। उन्होंने कहा कि इसके लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, पेशेवरों को बदलती तकनीक और अंतरराष्ट्रीय बाजार की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना आवश्यक है। अग्रवाल ने पेशेवर निकायों जैसे आईसीएआई को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करने और उनमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इसका उद्देश्य पेशेवरों के बीच ज्ञान साझा करना और नेटवर्क का विकास करना है। विचार-विमर्श में चार प्रमुख मुद्दों पर जोर दिया गया- 1. पेशेवरों को वैश्विक स्तर पर तैयार करना, 2. पारस्परिक मान्यता समझौते के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय परिवहन को मजबूत करना, 3. विदेशों में पेशेवर नेटवर्क का विकास और विस्तार, 4. पेशेवर सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एफटीए का लाभ उठाना। भारत और न्यूजीलैंड के हालिया समझौते के तहत योग प्रशिक्षक, रसोईयां, आयुष पेशेवर, शिक्षक, नर्स और आईटी पेशेवरों को पेशेवर वीज़ा मिलेगा। इस योजना से लगभग 5,000 भारतीय पेशेवर न्यूज़ीलैंड की अर्थव्यवस्था में योगदान देंगे।

## नॉन प्राफिट टैक्स लीडर ऑफ द ईयर चुने गए प्रताप कुमार रे

**नई दिल्ली ।** बीडब्ल्यू सीएफओ वर्ल्ड ने बीडब्ल्यू बिजनेस वर्ल्ड के साथ मिलकर बीडब्ल्यू सीएफओ वर्ल्ड - टैक्स लीडर्स इंडिया 2025 का पहला आयोजन किया। समिट में अलग-अलग क्षेत्रों में फाइनेंस, गवर्नेंस और कंप्लायंस के क्षेत्र में बेहतरीन लीडरशिप को सम्मानित किया गया। इस मौके पर, स्माइल फाउंडेशन के उपाध्यक्ष फाइनेंस एंड गवर्नेंस, प्रताप कुमार रे को नॉन प्राफिट टैक्स लीडर ऑफ द ईयर का प्रतिष्ठित अवॉर्ड मिला। यह सम्मान उनके दूरदर्शी नेतृत्व, बहुआयामी योगदान और नॉन-प्रॉफिट सेक्टर में कानूनी, वित्तीय और अनुपालन ढांचे को मजबूत करने के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए दिया गया। यह समिट नई दिल्ली में आयोजित हुआ था। इस समिट का मकसद फाइनेंस, गवर्नेंस और कंप्लायंस में शानदार काम करने वाले लीडर्स को बेहतर पहचान दिलाना था। मिस्टर प्रताप कुमार रे को यह अवॉर्ड मिला, जो गैर-लाभकारी संस्थाओं के लिए टैक्स के क्षेत्र में उनके खास काम को दर्शाता है। इस समिट का आयोजन बीडब्ल्यू सीएफओ वर्ल्ड और बीडब्ल्यू बिजनेस वर्ल्ड ने मिलकर किया था। इसका मुख्य उद्देश्य फाइनेंस, गवर्नेंस और कंप्लायंस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लीडर्स को सम्मानित करना था। यह समिट नई दिल्ली में हुआ था। इसमें अलग-अलग क्षेत्रों के लीडर्स को उनके काम के लिए सराहा गया।

# दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों पर बड़ी राहत, नई ईवी पॉलिसी जल्द

***- पेट्रोल टू-व्हीलर को इलेक्ट्रिक में बदलने पर 35,000-40,000 रुपए की सब्सिडी मिलेगी***

**नई दिल्ली ।**

दिल्ली सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए नई नीति तैयार कर रही है। ड्राफ्ट जनवरी के पहले सप्ताह में सार्वजनिक हो सकता है। नई पॉलिसी के तहत पेट्रोल टू-व्हीलर को इलेक्ट्रिक में बदलने पर 35,000-40,000 रुपये की सब्सिडी मिलेगी। इससे इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक्स की शुरुआती कीमत लगभग 60-65 हजार रुपये तक कम हो जाएगी। यह कदम खासतौर पर मिडिल क्लास परिवारों को ध्यान में रखकर उठाया गया है। नई नीति 20 लाख रुपये तक की पेट्रोल या डीजल कारों को इलेक्ट्रिक में बदलने पर भी सब्सिडी देने की योजना पर काम कर रही है। इसके अलावा ऑटो और ई-रिक्शा जैसे कमर्शियल थ्री-व्हीलरों को इलेक्ट्रिक में बदलने पर भी प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसका उद्देश्य निजी और व्यवसायिक वाहनों दोनों में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देना है। नई ईवी पॉलिसी का मकसद केवल वाहन खरीदारों को राहत देना नहीं है, बल्कि दिल्ली में प्रदूषण कम करना और ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देना भी है। मुख्यमंत्री और संबंधित विभागों ने हाल ही में प्रदूषण पर उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें ईवी के इस्तेमाल को तेज करने के कई उपायों पर चर्चा हुई। दिल्ली में 2020 से ईवी पॉलिसी लागू है, जिसमें इलेक्ट्रिक दो-व्हीलर पर 30,000 रुपये तक, तीन-व्हीलर पर 30,000 रुपये और कारों पर अधिकतम 1.5 लाख रुपये की सब्सिडी दी जाती थी। नई नीति इन प्रावधानों को और मजबूत करते हुए अधिक लोगों तक लाभ पहुँचाने की दिशा में है। नई पॉलिसी के लागू होते ही मिडिल क्लास और ईवी खरीदारों की उम्मीदें बढ़ गई हैं, और राजधानी को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के अगले स्तर पर ले जाने की उम्मीद है।

## डब्ल्यूटीओ में भारत के खिलाफ चीन की शिकायत

**- टैरिफ और सोलर पीएलआई स्कीम पर उठाए सवाल**

**नई दिल्ली ।**

चीन ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत के खिलाफ औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत भारत द्वारा कुछ आईटी उत्पादों पर लगाए गए आयात शुल्क और सोलर पीवी मॉड्यूल के लिए लागू की गई प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम को लेकर है। डब्ल्यूटीओ के नियमों के अनुसार, किसी भी व्यापारिक विवाद को सुलझाने के लिए परामर्श की मांग पहला कदम होती है। चीन का यह अनुरोध 23 दिसंबर को डब्ल्यूटीओ के सभी सदस्य देशों के साथ साझा किया गया। चीन का आरोप है कि भारत ने कई तकनीकी उत्पादों पर ऐसी कस्टम ड्यूटी लगाई है, जो डब्ल्यूटीओ में तय अधिकतम टैरिफ सीमा से ज्यादा है। इन उत्पादों में सेमीकंडक्टर डिवाइस, मोबाइल और वायरलेस नेटवर्क फोन, सेमीकंडक्टर निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मशीनें और अन्य आईटी सामान शामिल हैं। चीन का कहना है कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों का उल्लंघन करता है और चीनी आयात के साथ भेदभाव करता है। चीन ने भारत की सोलर पीवी मॉड्यूल के लिए लागू पीएलआई स्कीम को भी चुनौती दी है। उसका दावा है कि इस योजना में लोकल वैल्यू एडिशन यानी घरेलू इनपुट के इस्तेमाल की शर्तें हैं, जो डब्ल्यूटीओ के व्यापार समझौतों के अनुरूप नहीं हैं।

चीन के अनुसार, यह स्कीम घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देती है और आयातित सामानों के खिलाफ भेदभाव करती है, जिससे यह अवैध सब्सिडी की श्रेणी में आती है।

## चांदी के भाव नए शिखर पर, सोना 1.38 लाख के पार

**- अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने-चांदी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर**

**नई दिल्ली ।** सोने और चांदी के वायदा कारोबार में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी दिन घरेलू वायदा बाजार में चांदी के दाम ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए, जबकि सोना भी अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर के बेहद करीब कारोबार करता नजर आया। निवेशकों की मजबूत खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिल रहे सकारात्मक संकेतों के चलते कीमती धातुओं में यह तेजी बनी हुई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव में मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 181 रुपये की तेजी के साथ 1,38,166 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 1,37,885 रुपये था। इस समय सोना 516 रुपये की तेजी के साथ 1,38,401 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान सोने ने 1,38,469 रुपये का उच्च स्तर और 1,38,126 रुपये का निचला स्तर छुआ। इससे पहले मंगलवार को सोने ने 1,38,496 रुपये का अब तक का सर्वोच्च स्तर दर्ज किया था। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रेक्ट 1,347 रुपये की तेजी के साथ 2,21,000 रुपये प्रति किलो पर खुला। पिछला बंद भाव 2,19,653 रुपये था। कारोबार के दौरान चांदी 3,318 रुपये की मजबूती के साथ 2,22,971 रुपये पर पहुंच गई। इस दौरान चांदी ने 2,23,742 रुपये प्रति किलो का नया रिकॉर्ड उच्च स्तर छुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने-चांदी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर बनी हुई हैं। कॉमेक्स पर सोना 4,516 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी 72 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई है। वैश्विक अनिश्चितताओं और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग से कीमती धातुओं में यह तेजी देखने को मिल रही है।

# इंडिगो तुर्की से लीज पर लिए विमान मार्च के बाद नहीं उड़ा पाएगी: डीजीसीए

**- मार्च 2026 के बाद कोई एक्सटेंशन नहीं**

**नई दिल्ली ।** इंडिगो एयरलाइंस को डीजीसीए ने तुर्की की कोरेंडन एयरलाइंस से लीज पर लिए गए 5 बोइंग 737 नैरो-बॉडी प्लेन 31 मार्च 2026 तक ही संचालित करने की अनुमति दी है। नियामक ने साफ कर दिया है कि इसके बाद किसी भी तरह का एक्सटेंशन नहीं मिलेगा। यह फैसला इंडिगो द्वारा दिए गए अंडरटेकिंग के आधार पर लिया गया है, जिसमें उन्होंने आखिरी बार एक्सटेंशन मांगा था। डीजीसीए ने यह अनुमति इसलिए दी क्योंकि इंडिगो के नए लॉन्ग रेंज एयरक्राफ्ट ए321-एक्सएलआर फरवरी 2026 तक डिलीवर होने वाले हैं। इन नए विमानों के आने के बाद पुराने लीज प्लेन की जरूरत समाप्त हो जाएगी। इंडिगो फिलहाल 15 विदेशी एयरक्राफ्ट चला रही है, जिनमें से 7 तुर्की के हैं। इसी तरह स्पाइसजेट जैसी एयरलाइंस भी वेट/डैम्प लीज पर विमान संचालित कर रही हैं। डीजीसीए के अनुसार, यह ग्लोबल एविएशन इंडस्ट्री में आम प्रैक्टिस है। इसका उद्देश्य इंजन या डिलीवरी से जुड़ी देरी की स्थिति में यात्रियों को सेवा देना है। इससे पहले डीजीसीए ने अगस्त 2025 में इंडिगो को टर्किश एयरलाइंस के दो बोइंग 777 उड़ाने के लिए फरवरी 2026 तक छह महीने का एक्सटेंशन दिया था। मई में डीजीसीए ने तीन महीने का एक आखिरी एक्सटेंशन दिया और एयरलाइन से कहा कि आगे कोई एक्सटेंशन नहीं मिलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# विजय हजारे ट्रॉफी में रोहित के तेज शतक से मुम्बई जीती

**जयपुर (एजेंसी)।** अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने मुंबई की ओर से खेलते हुए विजय हजारे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप सी मुकाबले में सिक्किम के खिलाफ 155 रनों की आक्रामक पारी खेली। एक दशक के बाद ये टूर्नामेंट खेल रहे रोहित की इस शतकीय पारी से मुंबई ने सिक्किम को आसानी से हरा दिया। इस मैच में मुंबई को जीत के लिए 237 रनों का लक्ष्य मिला था। जिसे उसने 30.3 ओवर में ही दो विकेट पर 237 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस प्रकार मुम्बई को 8 विकेट से जीत मिली है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की ओर से अंगकृष रघुवंशी और रोहित शर्मा की जोड़ी ने तेज शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 141 रन बनाये। अंगकृष रघुवंशी 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके लगाये। वहीं रोहित एक छोर पर जमे रहे और उन्होंने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 94 गेंदों में 18 चौके और नौ छक्के लगाकर 155 रनों रन बनाये। वह 30वें ओवर में क्रांति कुमार का शिकार बने। मुंबई ने 30.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। उस समय मुशीर खान 27 और सरफराज खान 8 रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिक्किम ने 50 ओवरों में सात विकेट पर 236 रन बनाये। आशीष थापा ने सिक्किम की ओर से सबसे अधिक 79 रन बनाये। वहीं मुंबई की ओर से शार्दुल ठाकुर ने छह ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए जबकि तुषार देशपांडे जबकि , तनुष कोटियान, शम्स मुलानी और मुशीर खान को एक-एक विकेट मिला।

## विराट ने विजय हजारे ट्रॉफी में शतकीय पारी के साथ ही लिस्ट ए क्रिकेट में 16,000 रन पूरी किये

बेंगलुरु । अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने एक दशक के बाद विजय हजारे ट्रॉफी में वापसी करते हुए एक रन बनाते ही लिस्ट ए क्रिकेट में अपने 16,000 रन पूरे कर लिए। इस प्रकार वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने हैं। वहीं इसी के साथ ही लिस्ट ए में वह इतने रन बनाने वाले विश्व के नौवे खिलाड़ी बन गये हैं। लिस्ट एक में इतने अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अलावा श्रीलंका के कुमार संगकारा और वेस्टइंडीज के सर विवियन रिचर्ड्स भी शामिल हैं। यहां बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विराट ने दिल्ली की ओर से खेलते हुए आंध्र प्रदेश के खिलाफ मैच में विराट ने शतक लगाने के दौरान ही ये उपलब्धि हासिल की। कोहली ने इससे पहले साल 2010-11 सत्र में विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की कप्तानी की थी। कोहली 308 मैचों में 58.46 के असाधारण औसत से 14,557 रन के साथ वनडे क्रिकेट में 14,000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी हैं। उनके नाम इस प्रारुप में सबसे ज्यादा शतक भी हैं, उनके नाम 53 शतक हैं। वह लिस्ट ए क्रिकेट में तेंदुलकर के 60 शतकों के रिकॉर्ड का पीछा कर रहे हैं। उनके नाम अब 58 शतक हो गये हैं।

# आर्चर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण एशेज सीरीज से बाहर हुए, एटकिंसन शामिल

**-ऑली की जगह बेथेल को मौका**

**मेलबर्न (एजेंसी)।** इंग्लैंड के तेज गेंदबाज तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के बचे हुए दोनो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेंगे। पहले ही खराब प्रदर्शन से जूझ रही इंग्लैंड के लिए ये करारा झटका है। आर्चर ने अब तक इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी की है। ऐसे में उनके बाहर होने से टीम की गेंदबाजी कमजोर होगी। आर्चर की जगह गस एटकिंसन को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। ये पहली बार नहीं है जब आर्चर चोटिल हुए हैं। वह पिछले चार साल से पीठ और दाहिनी कोहनी में स्ट्रेस फैक्चर सहित कई तरह की परेशानियों से जूझते जा रहे हैं। इसी कारण अधिकतर समय मैदान से बाहर रहे हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) में शुरू होगा। वहीं पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच चार जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अभी 3-0 से आगे है और उसने एशेज ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखी है। आर्चर बुधवार को अभ्यास सत्र के लिए मैदान पर पहुंचे थे पर कर नहीं पाये। बाद में टीम के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह दौरे के बचे हुए दोनो मैचों से बाहर हो गए हैं। आर्चर ने तीन टेस्ट मैचों में 27.11 की औसत से 9 विकेट लिए थे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने चौथे टेस्ट मैच के लिए बुधवार को अपनी टीम की घोषणा की जिसमें आर्चर की जगह गस एटकिंसन को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। इसके अलावा बल्लेबाज ओली पोप की जगह जैकब बेथेल को टीम में लिया गया है। वहीं बेन डकेट सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद भी टीम में बने हुए हैं।

**टीम इस प्रकार है**

बेन स्टोक्स (कप्तान),जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रुक, जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोश टोंग।

# वैभव ने विजय हजारे ट्रॉफी में 36 गेंदों में ही शतक लगाकर बनाये कई रिकार्ड

**मुम्बई (एजेंसी)।** बिहार के वैभव सूर्यवंशी ने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ हुए मुकाबले में 36 गेंदों में ही शतक लगाकर एक एकसाथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। वैभव ने इस मैच में 36 गेंदों में ही शतक लगाकर जहूर इलाही का 39 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इसके अलावा वैभव अब भारतीय टीम की ओर से लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले भारतीय टीम की ओर से लिस्ट ए में सबसे तेज शतक का रिकार्ड अनमोलप्रीत सिंह के नाम था। अनमोलप्रीत ने 35 गेंदों में ही सबसे तेज शतक लगाया था।

वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा जाये तो सबसे तेज लिस्ट-ए शतक का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क के नाम है। जेक फ्रेजर ने केवल 29 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स हैं। डिविलियर्स ने 31 गेंदों में शतकीय पारी खेली थी। भारतीय भारत की ओर से इस सूची में अनमोलप्रीत और अब वैभव शामिल हैं।

अनमोलप्रीत ने साल 2024 में पंजाब की ओर से अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ केवल 35 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं अब वैभव ने आज अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 36 गेंदों में शतक लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया है।

# हार्दिक सिंह के नाम मेजर ध्यानचंद खेलरत्न, 24 खिलाड़ी अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह का नाम इस वर्ष मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया है। वहीं, युवा खिलाड़ियों समेत 24 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चयन समिति ने नामित किया है।

### हार्दिक सिंह का शानदार रिकॉर्ड

हार्दिक सिंह टोक्यो ओलंपिक 2021 और पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। इसके अलावा, वह इस साल एशिया कप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में भी शामिल थे।

### अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित युवा सितारे

इस वर्ष युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और डेकाथलीट तेजस्विन शंकर सहित कुल 24 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया। चयन समिति ने यह निर्णय बुधवार को हुई बैठक में लिया।

### अर्जुन पुरस्कार में पहली बार योगासन खिलाड़ी

सूत्रों के अनुसार, खेल मंत्रालय से औपचारिक मान्यता मिलने के पांच साल बाद पहली बार योगासन खिलाड़ी आरती पाल का नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए सुझाया गया। आरती राष्ट्रीय और एशियाई चैम्पियन हैं। एशियाई खेल 2026 में योगासन नुमाइशी खेल के रूप में शामिल होगा।

### चयन समिति और अन्य नाम

चयन समिति में भारतीय ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष गगन नारंग, पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी अपर्णा पोपट और पूर्व हॉकी खिलाड़ी एम एम सोमाया शामिल हैं। अन्य प्रमुख अर्जुन पुरस्कार नामांकित खिलाड़ी हैं- तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), प्रियंका (एथलेटिक्स), नरेंदर (मुक्केबाजी), विदित गुजराती (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (बधिर निशानेबाजी), प्रणति नायक (जिम्नास्टिक), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), निर्मला भाटी (खो-खो), रूद्रांक्ष खंडेलवाल (पैरा निशानेबाजी), एकता भयान (पैरा एथलेटिक्स), पद्मनाभ सिंह (पोलो), अरविंद सिंह (नौकायन), अखिल श्योराण (निशानेबाजी), मेहुली घोष (निशानेबाजी), सुतीर्था मुखर्जी (टेबल टेनिस), सोनम मलिक (कुश्ती), आरती (योग), त्रिसा जॉली (बैडमिंटन), गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), लालरेम्सियामी (हॉकी), मोहम्मद अफजल (एथलेटिक्स) और पूजा (कबड्डी)।

### पुरस्कार की राशि और पिछली बार के विजेता

खेलरत्न पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र, पदक और 25 लाख रुपये दिए जाते हैं। जबकि अर्जुन पुरस्कार के साथ 15 लाख रुपये का प्रावधान है। पिछले साल चार खिलाड़ियों को खेलरत्न से नवाजा गया था: विश्व चैम्पियन शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश, पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार और निशानेबाज मनु भाकर।

# नेमार को विश्वकप फुटबॉल खेलने की उम्मीद

साओ पाउलो (ईएमएस)। ब्राजील के स्टार स्ट्राइकर नेमार के घुटने की सर्जरी सफल रही है और उनके अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में खेलने की उम्मीद जतायी जा रही है। नेमार के क्लब सैंटोस ने बताया कि नेमार की सर्जरी गंभीर नहीं थी। साथ ही उम्मीद जतायी कि ये स्टार खिलाड़ी अब जल्द ही फिटनेस हासिल करने में सफल रहेगा। पिछले सप्ताह एक कार्यक्रम में नेमार ने कहा, मुझे अब भी उम्मीद है कि मैं विश्व कप में खेलूंगा और ब्राजील की तरफ से फाइनल में गोल करूंगा। उन्होंने अपनी टीम और देश के लिए खेलने के सभी प्रयास करने की भी बात कही। वहीं ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी को भी उम्मीद है कि नेमार विश्वकप से पहले फिट हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभी नेमार का नाम टीम में शामिल नहीं है पर फिट होते ही उन्हें शामिल कर लिया जाएगा। जिस प्रकार से वह उत्साह से भरे हैं उससे साफ है कि वह खेलना चाहते हैं। वहीं नेमार ने कहा, हम इस बार कप को ब्राजील लाने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। जुलाई में आप हमें इसकी याद दिला सकते हैं। कोच इसमें हमारी सहायता करेंगे। वहीं माना जा रहा है कि नेमार की वापसी टीम के लिए बेहद जरुरी है। इसी कारण सभी की नजरें उनकी फिटनेस पर लगी हैं।

# अक्षर को ऑलराउंडर होने के कारण मिली उपकप्तानी : पनेसर

लंदन । अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्वकप में स्पिन ऑलरांउडर अक्षर पटेल भारतीय टी20 टीम की उपकप्तानी करेंगे। अक्षर को शुभमन गिल की जगह पर उपप्तान बनाया गया है। शुभमन को फार्म में नहीं होने के करण टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं अक्षर को उकप्तानी दिये जाने को इंग्लैंड के स्पिनर मोंटी पनेसर ने एक अच्छा कदम बताया है। पनेसर के अनुसार टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में अक्षर को ऑलराउंडर होने के कारण उपकप्तान बनाया गया है। उन्होंने कहा कि कोच गौतम गंभीर अधिक से अधिक ऑलराउंडररों को टीम में चाहते हैं। ऐसे में विश्व कप 2026 के बाद अक्षर को टी20 की कप्तानी भी दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि खराब फॉर्म के चलते शुभमन टीम में अपनी जगह बचा नहीं पाये। इसी कारण अक्षर की उपकप्तान के तौर पर वापसी हुई है। इससे पहले टी20 एशिया कप 2025 में भी अक्षर उपकप्तान रहे थे। पनेसर ने कहा, गंभीर ऐसे खिलाड़ियों को टीम में अधिक पसंद करते हैं जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही कर दे सकें। ऐसे में भारतीय टीम जीतती है तो अक्षर को टी20 कप्तान बना बनाया जा सकता है-। अक्षर पटेल हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की थी।

# भारतीय हॉकी टीम विश्व कप में जीत की प्रबल दावेदार : डोरेन

**कोपनहेगन (एजेंसी)।** बेल्जियम के दिग्गज हॉकी खिलाड़ी आर्थर वैन डोरेन ने कहा है कि भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है ओर वह 2026 में होने वाले विश्व कप में जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उभरी है। डोरेन का मानना है कि भारतीय टीम को किसी भी प्रकार से कमजोर नहीं माना जा सकता है।

डोरेन ने कहा, 'भारत को बड़ा दावेदार न मानना बड़ी भूल होगी। इसका कारण है कि भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में लगातार सफलता हासिल की है। उसने ओलंपिक में भी पिछली बार कांस्य पदक जीता था। इससे साफ है कि टीम का स्तर पहले से बेहतर हुआ है।

डोरेन के अनुसार भारतीय टीम का संतुलन अच्छा है। उन्होंने कहा, ''उनके पास हर विभाग में अच्छे खिलाड़ी हैं। उनके पास एक अच्छा कोच है, युवा वह अनुभवी खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम को पिछले कुछ समय में किसे प्रयासों का लाभ मिला है। डोरेन ने कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया सकता है और खिताबी दौड़ बेहद कड़ी होने की संभावना है। उन्होंने कहा, 'भारत और बेल्जियम जैसी टीमों के लिए राह आसान नहीं होगी क्योंकि पांच, छह या सात और टीमें हैं जो हमारी तरह ही बढ़े हुए मनोबल से उतरेंगी हैं। इससे साफ है कि मुकाबला आसान नहीं रहेगा। डोरेन ने भारत के उभरते खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'भारतीय हॉकी टीम विश्व की किसी भी अन्य टीम की तुलना में अधिक व्यस्त हैं। वे सीखना चाहते हैं, खेलना चाहते हैं और प्रगति करना चाहते हैं। उसके पास कई युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उनके खिलाड़ी कम उम्र में ही अपने कौशल को अगले स्तर पर पहुंचा देते हैं।

# हॉकी इंडिया लीग में कप्तानी करेंगे हरमनप्रीत और सविता

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए कप्तान घोषित कर दिये गये हैं। हॉकी इंडिया ने कहा है कि हरमनप्रीत सिंह सूरमा हॉकी क्लब की पुरुष टीम की कप्तानी करेंगी जबकि महिला टीम की कप्तानी सविता करेंगी। हरमनप्रीत ने कप्तानी मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि टीम का नेतृत्व करना हमेशा ही उनके लिए विशेष अनुभव रहा है। गौरतलब है कि पुरुष टीम पिछले सत्र में तीसरे स्थान पर रही थी। हरमनप्रीत ने कहा, इस टूर्नामेंट से हमें अपनी क्षमताओंका पता चलता है। इसके अलावा हमारा मनोबल भी बढ़ता है। । मेरा मानना है कि हमारे पास बेहतर टीमों को भी टक्कर देने वाली टीम है। लीग में पुरुष टीम का पहला मुकाबला 4 जनवरी को चेन्नई में मौजूदा चैंपियन श्राची रार बंगाल टाइगर्स से होगा। इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में खेले जाएंगे। वहीं महिला टीम की कप्तानी सविता करेंगी जबकि सलीमा टेटे को उप-कप्तानी दी गयी है। पहले साल टीम दूसरे नंबर पर रही थी और टीम की ओर से सविता और सलीमा ने अच्छा प्रदर्शन किया था। महिला टीम का पहला मुकाबला 29 दिसंबर को रांची में श्राची रार बंगाल टाइगर्स से होगा। महिला टीम अपने सभी मैच रांची में खेलेगी।

# कमिंस शायद ही खेल पायें टी20 विश्वकप : रिपोर्ट

मेलबन। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस का अगले साल फरवरी में शुरु हो रहे टी20 विश्व कप में खेलना तय नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार कमिंस अभी तक अपनी पीठ की चोट से नहीं उबरे हैं। इसी कारण कमिंस इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के पहले दो मैचों में भी नहीं खेल पाए थे। उन्होंने एडिलेड में खेले गए तीसरे एशेज टेस्ट में वापसी की और छह विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में 3-0 से जीत दिल दी। इसके बाद उन्हें बचे हुए दो मैचों के लिए आराम दिया जा रहा है ताकि वह पूरी तरह से फिट हो सकें। इससे साफ है कि वह शायद ही टी20 विश्व कप में खेल पाये। ऑलराउंडर मिचेल मार्श टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, 'विश्व कप के लिए कमिंसटीम में शामिल होंगे या नहीं, मैं अभी इस बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कर सकता। अभी को देखकर तो यही कहा जा सकता है कि कि वह फिट नहीं हैं पर हमें उम्मीद है कि विश्वकप तब तक फिट हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'वह ठीक है लेकिन हम किसी तरह का खतरा नहीं उठाना चाहते हैं। हमने एशेज सीरीज जीत का लक्ष्य पा लिया है। कमिंस सीरीज के बचे हुए मैचों में नहीं खेलेंगे। उनकी वापसी को लेकर हमने काफी समय पहले इस बारे में बात की थी। टी20 विश्व कप सात फरवरी से शुरू होगा और उसका फाइनल आठ मार्च को खेला जाएगा। इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना पहला मैच 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड से खेलेगी।

# तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर पहुंचे, वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर मजबूत

**दुबई (एजेंसी)।** भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खत्म हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज के खिलाड़ियों को पुरुष टी20 प्लेयर रैंकिंग में फायदा हुआ, जिसे टीम इंडिया ने 3-1 से जीता। अहमदाबाद में निर्णायक मैच रनों का अंबार था, जिसमें मेजबान टीम ने पहली पारी में 231 रन बनाए। भारत के टॉप स्कोरर तिलक वर्मा ने 42 गेंदों में 73 रन बनाए, जिससे वह श्रीलंका के पथुम निसंका को पीछे छोड़कर 805 रेटिंग पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि डेवाल्ड ब्रेविस की तेज 31 रनों की पारी ने उन्हें टॉप 10 में जगह बनाने में मदद की।

जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी (चार ओवर में 2/17) की बदौलत भारत कुल स्कोर का बचाव करने में सफल रहा, जबकि वह मैच में एकमात्र गेंदबाज थे जिन्होंने प्रति गेंद एक रन से कम की इकॉनमी से गेंदबाजी की। इससे उन्हें गेंदबाजी रैंकिंग में 10 स्थानों की छलांग लगाकर महेश थीक्षाना (622) के साथ संयुक्त 18वें स्थान पर पहुंचने में मदद मिली। वरुण चक्रवर्ती के चार विकेट लेने से रैंकिंग में उनका शीर्ष स्थान और मजबूत हो गया है, उनकी 804 की रेटिंग दूसरे स्थान पर मौजूद जैकब डफी (699) से काफी आगे है।

आईसीसी पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में ताजा अपडेट के बाद ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की टेस्ट जीत में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका था क्योंकि उन्होंने सीरीज जीत हासिल की, ऑस्ट्रेलिया ने घर पर एशेज अभियान में इंग्लैंड के खिलाफ 3-0 की अजेय बढ़त बना ली, और ब्लैक कैप्स ने माउंट माउंगानुई में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीत हासिल की।

इन प्रदर्शनों के कारण कुछ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी और गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप स्थानों के करीब पहुंच गए हैं। एडिलेड में 82 रन की जीत में, ऑस्ट्रेलिया को ट्रैविस हेड ने टॉप ऑर्डर में आगे बढ़ाया, उनकी दूसरी पारी में 219 गेंदों पर 170 रन की पारी ने जीत की नींव रखी। इस पारी ने हेड को रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त तीसरे (815) स्थान पर पहुंचा दिया, जो उनके साथी स्टीव स्मिथ के साथ है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के अनुसार एलेक्स कैरी के पहली पारी के शतक ने ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर को छह स्थान ऊपर चढ़ाकर टॉप दस में पहुंचा दिया, और वह 737 की करियर-सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए। तस्मान सागर के पार, यह न्यूज़ीलैंड की शानदार बल्लेबाजी थी जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ उनकी जीत की नींव रखी, और वे 2-0 से सीरीज विजेता बने।

रचिन रवींद्र के नाबाद 72 और 46 रनों ने उन्हें पांच स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि डेवोन कॉनवे के शानदार 227 और 100 रनों ने उन्हें 681 की करियर-उच्च रेटिंग तक पहुंचाया, जिससे वह संयुक्त 17वें स्थान पर आ गए। जवाब में, कैवेम हॉज की 123 रन की नाबाद जुझारू पारी ने उन्हें 11 स्थान ऊपर चढ़कर 66वें स्थान पर पहुंचा दिया, जो उनकी करियर-सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग और रेटिंग दोनों है।

गेंदबाजी की बात करें तो दो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अब जसप्रीत बुमराह को नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज के रूप में चुनौती देने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में हैं। मिशेल स्टार्क (तीसरे) और पैट कमिंस (चार स्थान ऊपर चढ़कर 849 की रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर) ने एडिलेड में मिलकर दस विकेट लिए, कमिंस भारत के मुख्य गेंदबाज से 30 रेटिंग अंक पीछे हैं। जीत में अहम अर्धशतक बनाने के बाद स्टाक 'टेस्ट ऑलराउंडर्स की लिस्ट में तीसरे स्थान पर पहुंच गए, और एशेज के प्रतिद्वंद्वी बेन स्टोक्स के साथ 311 की रेटिंग पर बराबरी पर आ गए।

# 68 वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में हिमांशु और रमिता को स्वर्ण

भोपाल। हरियाणा के हिमांशु ढिल्लों औ रमिता जिंदल ने यहां आयोजित 68 वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पर निशाना लगाया। रमिता और हिमांशु ने फाइनल में महाराष्ट्र की आर्य बोरसे और पार्थ माने की जोड़ी को 16-12 से पराजित किया। इस मुकाबले की शुरुआत से ही रमिता और हिमांशु ने सटीक निशाने लगाये और अपना पहला स्थान तय किया। इससे पहले पूरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में सोमवार को हिमांशु ने 634.5 का राष्ट्रीय और जूनियर रिकॉर्ड भी बनाया था। इससे टीम को भी लाभ मिला है। वहीं दिल्ली की राजश्री संचेती और पार्थ मखीजा ने मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर की जोड़ी के खिलाफ 17-15 से जीत हासिल कर कांस्य पदक पर कब्जा किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# नए साल का जश्न

## भीड़ से दूर, सुकून भरे ये 5 डेस्टिनेशन्स बनाएंगे 2025 यादगार

**नए साल 2026 के स्वागत के लिए भीड़भाड़ से दूर, शांति और सुकून का अनुभव देने वाली भारत की 5 बेहतरीन जगहें बताई गई हैं। उत्तराखंड का लैंडोर, हिमाचल की तीर्थन वैली, कर्नाटक का गोकर्ण, मध्य प्रदेश का ओरछा और अरुणाचल की जीरो वैली, ये सभी डेस्टिनेशन यादगार न्यू ईयर मनाने के लिए उपयुक्त हैं।**

नए साल के जश्न में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए बिल्कुल सही है। न्यू ईयर का जश्न शानदार तरीके से मनाने के लिए आप । फैमिली और दोस्तों के साथ इन 5 खूबसूरत और शांत जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।। अगर आप कम भीड़ वाली जगहों की तलाश में हैं, तो यह लेख आपके लिए है। भारत की 5 ऐसी बेहतरीन जगहें, जहां आप मजेदार न्यू ईयर मना सकते हैं। साल 2025 का आखिरी महीना शुरू हो चुका है और कुछ ही दिनों में हम सभी नए साल 2065 का स्वागत करेंगे। ऐसे में न्यू ईयर मनाने के लिए समय कम बचा है। यदि आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ घूमने की सोच रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके काम आएगा। भीड़भाड़ से दूर न्यू ईयर मनाने के लिए आप भारत की इन खूबसूरत जगहों को जरूर चुनें। नए साल का जश्न और यादगार बनाने के लिए इन 5 डेस्टिनेशन्स पर जरूर जाएं।

### लैंडोर, उत्तराखंड

अगर आपको भी पहाड़ों पर घूमने का शौक है, तो आप लैंडोर आपके लिए जन्नत से कम नहीं है। मसूरी से कुछ ही ऊपर बसा है यह छोटा-सा कस्बा शांति और पुरानी ब्रिटिश वास्तुकला के लिए फेमस है। यहां पर आपको देवदार के घने जंगल हैं और हवा में एक अलग ही जादू है। यहां आप शानदार तरीके से न्यू ईयर का जश्न मना सकते हैं।

### तीर्थन वैली, हिमाचल प्रदेश

यदि आप प्रकृतिक नजारों का आनंद लेना चाहते हैं, तो आप कुल्लू और मनाली नहीं, बल्कि तीर्थन वैली घूमने का प्लान बना सकते हैं। यहां पर बहती नदी की कल-कल आवाजें और लकड़ी के सुंदर घर आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। यह जगह ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के नजदीक है। इधर आप फिशिंग कर सकते हैं, ट्रेकिंग और नदी किनारे बैठ सकते हैं।

### गोकर्ण, कर्नाटक

अगर आप बीच लवर है तो आप गोवा को भूल जाइए, इसकी जगह गोकर्ण घूमने जा सकते हैं। यहां पर ओम बीच और पैराडाइज बीच पर सनसेट का सुंदर नजारे को देख सकते हैं। गोकर्ण में पार्टी का माहौल और आध्यात्मिकता की शांति भी मिलती है। यहां पर आप समुद्र की लहरों की आवाज सुनते हुए रेत पर नंगे पैर चलकर अपने नए साल का स्वागत कर सकते हैं।

### ओरछा, मध्य प्रदेश

यदि आपको इतिहास और शाही अंदाज के अत्यधिक शौकीन हैं, तो मध्य प्रदेश का ओरछा शहर जरुर घूमने का प्लान बनाएं। यह बेतवा नदी किनारे बसा हुआ एक शहर जो कि आपको समय से पीछे ले जाएगा। यहां किले, महल और छतरियां देखने लायक बनती हैं। शाम को नदी के किनारे बैठकर सनसेट नजारे का आनंद ले सकते हैं। यहां की वास्तुकला भी बेहद शानदार है।

### जीरो वैली, अरुणाचल प्रदेश

आपको एकदम हटके और अनोखा एक्सपीरिएंस लेना है, तो नॉर्थ-ईस्ट की तरफ जा सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की जीरो वैली अपनी हरियाली और आदिवासी संस्कृति के लिए लोकप्रिय है। यहां पर मौजूद हरे-भरे चावल के खेत और ऊंचे पाइन के जंगल किसी खूबसूरत पेंटिंग की तरह दिखाई देते हैं। यह जगह इतनी शांत और सुकूनभरी है कि आपको अपनी धड़कनों की आवाज तक सुनाई दे सकती है। इसलिए नए साल की शुरुआत शांत और सुकून वाली जगहों से करें।

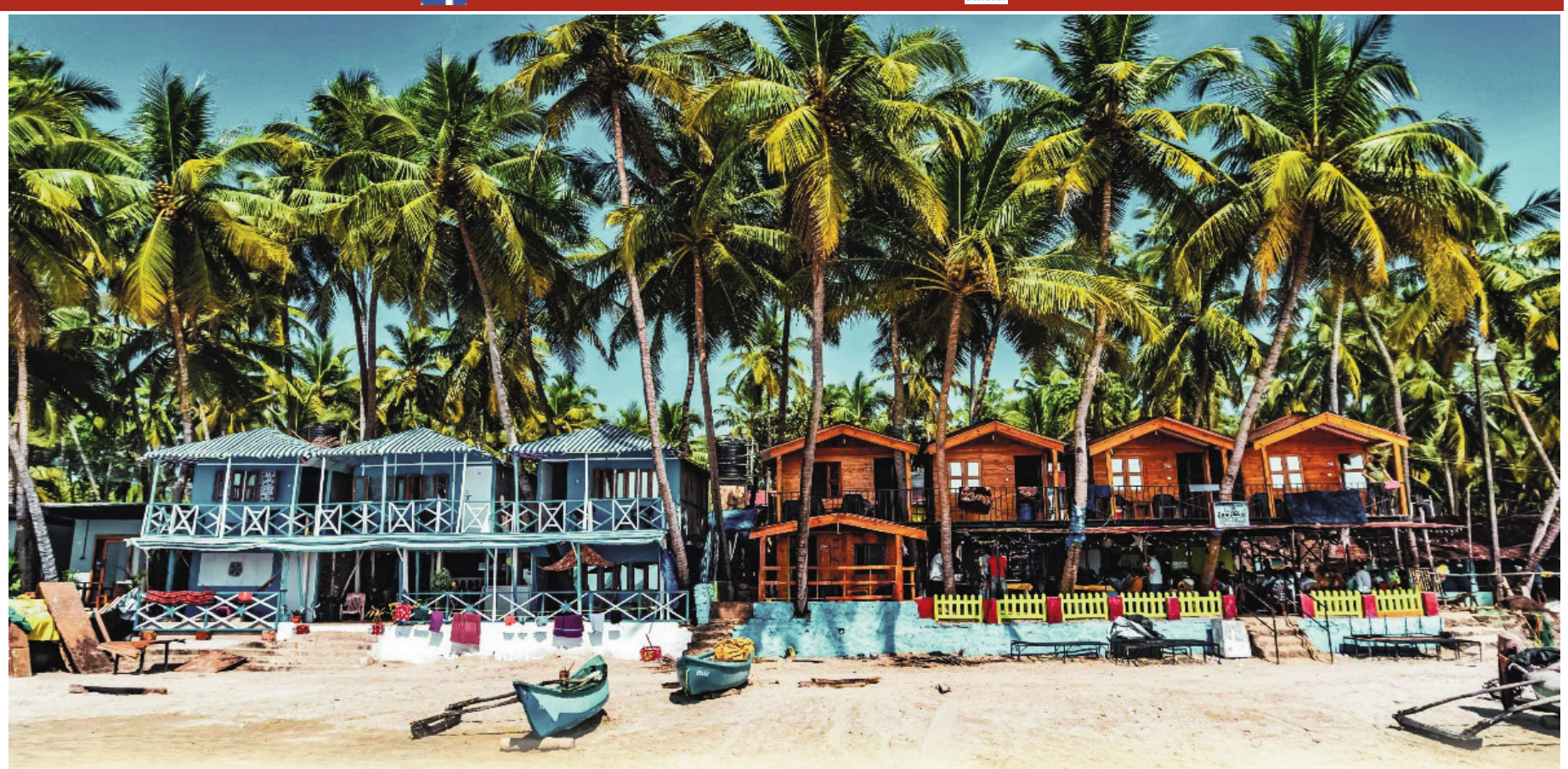

# सर्दियों की ठिठुरन मिटाएं

## भारत की ये 5 गर्माहट भरी जगहें बनेंगी परफेक्ट विंटर गेटवे

सर्दियों के मौसम में सुबह उठते ही रजाई छोड़ने का मन बिल्कुल भी नहीं करता है। नहाने के नाम से कंपकंपी शुरु हो जाती है। अगर आप भी ठिठुरन वाली सर्दी से बचना चाहते हैं, तो आप शानदार बीच वैकेशन पर जा सकते हैं। आने वाले दिनों में उत्तर भारत में ठंड का ऐसा कहर देखने को मिलेगा किह कि सूरज देवता भी कोहरे की चादर ओढ़कर सो रहे होंगे। चार-चार स्वेटर पहनने के बाद भी जब ठंड हड्डियों तक पहुंचने लगे, तो समझ आता है कि सर्दी अपने चरम पर है। ऐसे में आपके मन में एक ही सवाल आता है कि काश कही थोडी धूप और हल्की गर्माहट मिल जाए। ऐसे में आप सर्दी में विटामिन डी यानी भरपूर धूप लेने के लिए समुद्र की लहरों में छुट्टियां बिता सकते हैं। इस लेख में हम आपको 5 ऐसी जादुई जगहों के बारे में बताएंगे, जहां पर आप सर्दी में छुट्टी मनाने के लिए जा सकते हैं।

### गोवा

सर्दियों में धूप का नाम लिया जाए और गोवा का ख्याल न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। जब बाकी देश स्वेटर में ठिठुर रहा होता है, तब गोवा में लोग टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहनकर समुद्र किनारे मजे कर रहे होते हैं। दिसंबर और जनवरी में यहां का मौसम न तो बहुत गर्म होता है और न ही ठंडा बिल्कुल परफेक्ट होता है। ठंडी ड्रिंक्स के साथ सनबाथ लेने का मजा ही कुछ और है।

### पुडुचेरी

अगर आप शोर-शराबे से दूर जाना चाहते हैं, तो पुडुचेरी जरुर जाएं। यहां की फ्रेंच वास्कुला, रंग-बिरंगे घर और खूबसूरत समुद्र तट आपको एकदम हटके फील कराएंगे। पुडुचेरी का मौसम इतना प्यारा है कि आप आराम से साइकिल चलाकर पूरा शहर घूम सकते हैं। इधर आप फ्रेंच कैफे में बैठकर फ्रेंच खाने का मजा ले सकते हैं।

### अंडमान और निकोबार

यदि आपका बजट जबरदस्त है, तो आप अंडमान और निकोबार घूमने जा सकते हैं। यहां का नीला पानी और सफेद रेत आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। यहां आप स्कूबा डाइविंग जैसे वॉटर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते हैं। अंडमान और निकोबार में पानी के अंदर की दुनिया देखने के लिए सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। इस मौसम में यहां का पानी एकदम साफ और शांत नजर आता है।

### गोकर्ण, कर्नाटक

अगर आप गोवा नहीं जाना चाहते हैं, तो इस ऑफबीट जगह पर जरुर जाएं। भीड़भाड़ से दूर गोकर्ण एक छिपा हुआ खजाना है। यहां के ओम बीच और कुडल बीच बेहद ही शांत और साफ है। इसके अलावा, आप यहां पर मंदिर के दर्शन के साथ ही समुद्र की लहरों का आनंद ले सकते हैं। यहां पर आप डूबते हुए सूरज देखने का नजारा का आनंद ले सकते हैं।

### केरल

यहां की हरियाली और बैकवाटर्स सर्दियों में और भी खूबसूरत हो जाते हैं। यहां पर आप मुन्नार के चाय बागनों में घूम सकते हैं या अल्लेप्पी में हाउसबोट पर रहकर पानी के बीच सुकून के पल बिता सकते हैं। यहां पर आपको नॉर्मल मौसम मिलेगा, क्योंकि यहां ठंड नहीं पड़ती, बल्कि हल्की-मीठी सी ठंडक होती है, जो काफी सुकून पहुंचाती है।

# दक्षिण भारत के 5 हिल स्टेशन

## सर्दियों में बनाइए यादगार छुट्टियां, महिलाओं के लिए खास

**अगर आप भी इस सर्दियों में किसी खास ट्रिप पर जाने का प्लान कर रही हैं और बेस्ट डेस्टिनेशन की तलाश कर रही हैं। तो आज हम आपको दक्षिण भारत की 5 ऐसे हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाकर आप अपनी ट्रिप को यादगार बना सकती हैं।**

सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है। इस मौसम में ज्यादातर महिलाएं घूमने का प्लान करती हैं। खासकर सर्दियों की छुट्टियों में अपनी फैमिली के साथ किसी ट्रिप पर निकल जाती हैं। तो वहीं कुछ महिलाएं दोस्तों के साथ ट्रिप प्लान करती हैं। अगर आप भी इस सर्दियों में किसी खास ट्रिप पर जाने का प्लान कर रही हैं और बेस्ट डेस्टिनेशन की तलाश कर रही हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दक्षिण भारत की 5 ऐसे हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाकर आप अपनी ट्रिप को यादगार बना सकती हैं। तो आइए जानते हैं इन हिल स्टेशन के बारे में...

### थेक्कडी

सर्दियों की छुट्टियों में आप बेस्ट डेस्टिनेशन की तलाश कर रही हैं, तो अपने दोस्तों, फैमिली या पार्टनर के साथ दक्षिण भारत के खूबसूरत हिल स्टेशन थेक्कडी भी जा सकते हैं। यह केरल के इडुक्की जिले में है। आप पेरियार झील पर बोटिंग कर सकती हैं और मसालों के बागान भी देख सकती हैं। इसके अलावा यहां पर क्लालादीपारा हिल व्यू पॉइंट भी एक्सप्लोर कर सकती हैं।

### मुन्नार

दक्षिण भारत का मुन्नार हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत है। यह पूरे दक्षिण भारत में सबसे अधिक पसंद किए जाने वाला हिल स्टेशन है। यहां पर बिताया हर एक पल यादगार बन जाएगा। आप चाहें तो यहां पर फोटोग्राफी भी कर सकती हैं। सर्दियों में यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं लगती है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क, इको पॉइंट और मुट्टुपेट्टी जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं। इसके अलावा आप यहां के हरे-भरे चाय का बागानों को भी देख सकते हैं।

### येलागिरी

अगर आप दक्षिण भारत की ओर जाने का मन बना रही हैं, तो आप यहां के फेमस और बेहद खूबसूरत येलागिरी हिल स्टेशन भी विजिट कर सकती हैं। यह जगह उन लोगों के लिए बेहद खास है, जिनको भीड़भाड़ से दूर एकांत रहना पसंद है। येलागिरी, तमिलनाडु के तिरुपत्तूर जिले में स्थित है। यहां पर आप पुंगनूर झील में बोटिंग के साथ स्वामी मलाई हिल्स में ट्रेकिंग और जलगमपराई फॉल्स का नजारा देख सकते हैं।

### कूर्ग

कुर्ग, दक्षिण भारत का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। यहां पर आप अपने दोस्तों, फैमिली या पार्टनर के साथ जा सकती हैं। सर्दियों की छुट्टियां यागदार बनाने के लिए कुर्ग एक शानदार हिल स्टेशन है। यह कर्नाटक में स्थित है और इसको भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। यहां पर आपको कॉफी के बागानों के साथ खूबसूरत घाटियां भी देखने को मिलेंगी। यहां आने के लिए आप मैसूर, मैंगलोर जा सकती हैं।

### वायनाड

सर्दियों की छुट्टियों को यादगार बनाने के लिए दक्षिण भारत के खूबसूरत हिल स्टेशन वायनाड को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह केरल की बेहद खूबसूरत जगह है। यहां की हरियाली और ऐतिहासिक गुफाओं ने पर्यटकों का दिल जीत लिया है। यहां पर आपको चाय और कॉफी के खेत और मसालों के बागान देखने को मिलेंगे। यहां पर आप सोचीपुरा फॉल्स, मीनमुट्टी फॉल्स और एडक्कल गुफाएं आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

# डिजाइन, रंगत और बनावट ने बनाया लवासा को 'इटली ऑफ इंडिया', हकीकत जानकर चौंक जाएंगे

महाराष्ट्र भी किसी मामले में पीछे नहीं है। यहां पर कई ऐसे शहर हैं, जोकि जन्नत में होने का एहसास कराते हैं। आमतौर पर लोनावला, पुणे, खंडाला और मुंबई का नाम ही लिया जाता है। लेकिन क्या आप लवासा के बारे में जानते हैं।

भारत देश में घूमने के लिहाज से एक से बढ़कर एक कई जगहें मौजूद हैं। कहीं पहाड़ तो कहीं समुद्र, इन जगहों पर पर्यटकों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिलती हैं। जब भारत के खूबसूरत राज्यों की बात होती है, तो केरल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान का नाम जरूर लिया जाता है। वहीं महाराष्ट्र भी किसी मामले में पीछे नहीं है। यहां पर कई ऐसे शहर हैं, जोकि जन्नत में होने का एहसास कराते हैं। आमतौर पर लोनावला, पुणे, खंडाला और मुंबई का नाम ही लिया जाता है। लेकिन क्या आप लवासा के बारे में जानते हैं।

यह महाराष्ट्र का एक खूबसूरत शहर है, जिसको इटली ऑफ इंडिया के नाम से भी जाना जाता है। इसकी वजह सिर्फ खूबसूरती नहीं बल्कि पूरा डिजाइन, रंग और बनावट है। यह पुणे शहर से करीब 60 किमी दूर वेस्टर्न घाट में बसा है। अधिकतर हिल स्टेशन समय के साथ डेवलप हुए हैं। लेकिन लवासा सोच-समझकर प्लान किया गया हिल सिटी प्रोजेक्ट है। इसको शुरूआत से ही खास जगह की तरह बनाया गया था। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको यहां की खूबसूरती के बारे में बताने जा रहे हैं।

हल्के पेस्टल रंग वाली इमारतें

पहाड़ियों के बीच बसा शांत वातावरण

साफ-सुथरी गलियां

झील और समुद्र के किनारे खूबसूरत कैफे

लवासा के प्लानर्स चाहते थे कि इटली का एहसास एक इंडियन हिल सिटी में लाया जाए। इसलिए यहां डिजाइन में यूरोपियन टच साफ देखने को मिलेगा।

यहां की इमारतें इटली जैसी

बता दें कि लवासा का जो हिस्सा सबसे अधिक Portofino जैसा लगता है, वह Dasve Lake का वॉटरफ्रंट है। यहां की इमारतें ठीक वैसे ही कलर की गई हैं, जैसे इटली के गांवों में होती हैं। मस्टर्ड, टेराकोटा, पीच, ब्रिक रेड और ऑलिव ग्रीन जैसे कलर्स को Portofino की ही तरह चुना गया है। आप इसको पहली बार देखेंगी, तो आपको लगेगा कि आप सच में इटली आ गई हैं।

इटली वाला लुक

छोटी-छोटी बालकनियां

टाइल्स वाली छत

पेस्टल प्लास्टर आर्च वाले दरवाजें

कैफे-स्टाइल बैठने की जगह

बनाई गई हैं चौड़ी गलियां

इस जगह की एक खासियत यह भी है कि लवासा में पैदल घूमने के लिए चौड़ी गलियां बनाई गई हैं। जिससे कि लोग झील के किनारे आराम से चल सकें। यह कॉन्सेप्ट भी यूरोप के शहरों से लिया गया है। लवासा को अलग-अलग हिस्सों में बांटा गया है। लेकिन Dasve Town वो जगह है, जो सबसे अधिक Portofino जैसी दिखती है। यहां की बिल्डिंग की ऊंचाई, रंग और पूरा का पूरा स्ट्रक्चर एक खास गाइडलाइन के हिसाब से बनाया गया था, जिससे पूरा लुक इटली जैसा लगे।

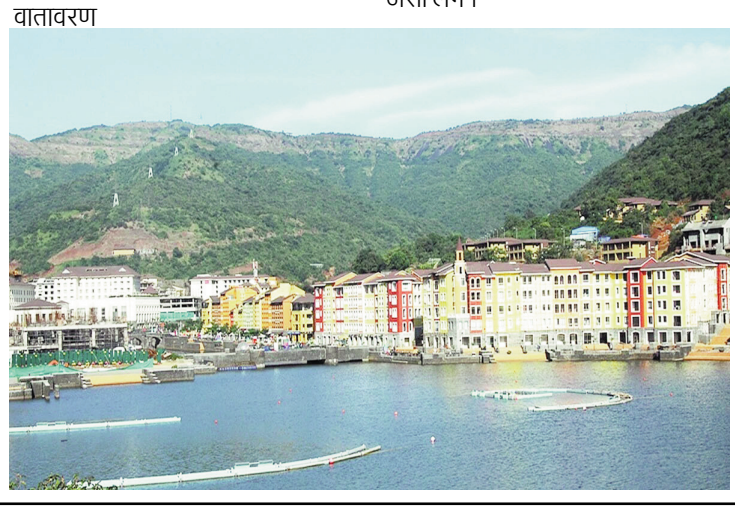

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### तुर्किये ने अफगान-पाकिस्तान सीमा पर पकड़ा आईएस का आतंकी

**अंकारा, एजेंसी।** तुर्किये की खुफिया एजेंसियों ने अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा के पास आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक शीर्ष सदस्य को गिरफ्तार किया है। इसके चलते तुर्किये और अन्य जगहों पर आत्मघाती हमलों की योजना को विफल किया गया। तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी अनादोलू ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान मेहमत गोरेन के रूप में हुई है। वह आईएस-खेरासन शाखा का सदस्य था, जिसका मुख्यालय अफगानिस्तान में है। गोरेन को गोपनीय अभियान के जरिये पकड़ा गया और तुर्किये भेजा गया। यह स्पष्ट नहीं है कि यह अभियान कब चलाया गया और अफगान और पाकिस्तानी अधिकारी इसमें शामिल थे या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, गोरेन आईएस संगठन में ऊपर तक पहुंच चुका था और उसे तुर्किये, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और यूरोप में आत्मघाती हमले करने का काम सौंपा गया था। आईएस ने तुर्किये में पहले भी हमले किए हैं, जिनमें एक जनवरी 2017 को इस्तांबुल के एक नाइट क्लब पर गोलीबारी शामिल है, जिसमें 39 लोग मारे गए थे।

### इटली के नियामक ने एपल पर लगाया 116 मिलियन डॉलर का जुर्माना

**रोम, एजेंसी।** इटली की एंटीट्रस्ट एजेंसी (बाजार में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने का काम करने वाली संस्था) ने सोमवार को एप्पल पर 98.6 मिलियन यूरो (लगभग 116 मिलियन डॉलर) का जुर्माना लगाया। एजेंसी ने पाया कि एप्पल के एक प्राइवेसी फीचर ने एप स्टोर में प्रतिस्पर्धा को रोकने का काम किया। एंटीट्रस्ट एजेंसी ने कहा कि एप्पल ने अपनी प्रभावशाली स्थिति का दुरुपयोग किया। इसकी एप ट्रैकिंग ट्रांसपेरेंसी (एटीटी) नीति के तहत, एप्स को यूजर्स से अनुमति लेनी होती है ताकि वे व्यक्तिगत विज्ञापनों के लिए डाटा एकत्र कर सकें। एप्पल ने अप्रैल 2021 में आईफोन और आईपैड ऑपरेटिंग सिस्टम के अपडेट के हिस्से के रूप में एटीटी फीचर पेश किया। हालांकि यह फीचर प्राइवेसी मजबूत करने के लिए था, लेकिन बड़ी टेक कंपनियों के प्रतिस्पर्धियों ने इसकी आलोचना की और कहा कि इससे छोटी एप्स का कारोबार मुश्किल में आ जाएगा। एंटीट्रस्ट एजेंसी ने नीति की आलोचना सीधे तौर पर नहीं की। लेकिन कहा कि यूरोप के कड़े प्राइवेसी नियमों के तहत थर्ड-पार्टी एप डेवलपर्स को यूजर से दो बार अनुमति लेनी पड़ती है।

### कक्षा में उपग्रह स्थापित नहीं कर सका जापानी एच3 रॉकेट

**टोक्यो, एजेंसी।** जापान का नौवहन (नेविगेशन) उपग्रह ले जाने वाले एच3 रॉकेट पेलोड को कक्षा में स्थापित करने में विफल हो गया है। देश के नए प्रमुख रॉकेट और उसके अंतरिक्ष प्रक्षेपण कार्यक्रम के लिए इसे एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इससे पहले, 2023 में भी इसकी पहली उड़ान असफल रही थी। हालांकि, उसके बाद इस रॉकेट ने छह सफल उड़ानें भरी थीं। जापानी अंतरिक्ष एजेंसी जेएएक्सए ने कहा कि केंद्र से रवाना होने के बाद इंजन ने समय से पहले ऊर्जा उत्पादन बंद कर दिया और उपग्रह का रॉकेट से अलग होना सुनिश्चित नहीं हो सका।

### अमेरिका में घुसपैठिये ने आईसीई अफसरों को कार से मारी टक्कर

**मिनेसोटा, एजेंसी।** अमेरिका के मिनेसोटा में क्यूबा के एक घुसपैठिये ने आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) अधिकारियों को एसयूवी से टक्कर मार कर घायल कर दिया और मौके से फरार होने की कोशिश की। हालांकि, आईसीई के एक एजेंट ने गोली मारकर उसे काबू कर लिया। यह घटना आईसीई अधिकारियों के अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के बीच सामने आई है, जिससे पूरे अमेरिका में तनाव बढ़ रहा है। पिछले हफ्ते, पड़ोसी मिनियापोलिस में आईसीई एजेंटों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई थी।

### जर्मनी में बस स्टॉप से टकराई कार, 3 लोग घायल

**बर्लिन, एजेंसी।** अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को जर्मनी में एक चालक ने अपनी कार एक बस स्टॉप में घुसा दी, जिससे तीन लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। अजरबैजान के 32 वर्षीय चालक को हिरासत में ले लिया गया है। यह दुर्घटना फ्रैंकफर्ट शहर से लगभग 53 किलोमीटर उत्तर में स्थित गिएसेन कस्बे में हुई। पुलिस ने एक बयान में कहा कि घटना के सटीक हालात फिलहाल अज्ञात हैं। जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि गिएसेन निवासी चालक ने पहले एक ही दिशा में जा रही दो कारों को टक्कर मारी और फिर बस स्टॉप पर पैदल यात्रियों को कुचल दिया। इसके बाद वह ऑडी कार चलाता रहा, फिर रुका और पुलिस अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

# गाजा 9.3 लाख करोड़ रुपए में स्मार्ट सिटी बनेगी

## ट्रम्प सरकार 5 लाख करोड़ देगी, यहां लग्जरी रिसॉर्ट होंगे और हाई स्पीड ट्रेन चलेगी

**गाजा, एजेंसी।** अमेरिका ने युद्ध से तबाह हो चुके गाजा को दोबारा खड़ा करने के लिए एक बहुत बड़ी योजना पेश की है। इस योजना के तहत गाजा को करीब 9.3 लाख करोड़ रुपए (112 अरब डॉलर) की लागत से एक आधुनिक स्मार्ट सिटी में बदला जाएगा। इसमें से लगभग 5 लाख करोड़ रुपए (60 अरब डॉलर) की मदद अमेरिकी सरकार देगी। इस प्रोजेक्ट में लग्जरी रिसॉर्ट, बीच होटल और हाई-स्पीड ट्रेन जैसी सुविधाएं बनाने की बात कही गई है। इस योजना को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जैरेड कुशनर और अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने तैयार किया है। इसे 'प्रोजेक्ट सनराइज' नाम दिया गया है। इसका मकसद सिर्फ गाजा को मलबे से बाहर निकालना नहीं, बल्कि उसे एक आधुनिक, तकनीक से चलने वाला और अंतरराष्ट्रीय स्तर का शहर बनाना है। निवेशक देशों के सामने इस प्रोजेक्ट को 32 स्लाइड की पावरपाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए दिखाया जा रहा है।

**गाजा को ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनाया जाएगा :** प्लानिंग के मुताबिक गाजा के भूमध्यसागर तट पर लग्जरी बीच रिसॉर्ट, फाइव स्टार होटल, मरीना और एंटरटेनमेंट जोन बनाए जाएंगे ताकि इसे एक ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनाया जा सके। शहर के अंदर सफर के लिए हाई-स्पीड ट्रेन नेटवर्क, चौड़ी और आधुनिक सड़कें और मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम विकसित किया जाएगा। बिजली की समस्या से जूझ रहे गाजा में एआई से चलने वाला स्मार्ट पावर ग्रिड लगाया जाएगा, जिसमें सोलर और अन्य नवीकरणीय एनर्जी का इस्तेमाल होगा। इसके साथ ही गाजा को एआई आधारित स्मार्ट सिटी बनाने की बात है, जहां डिजिटल गवर्नेंस, ई-गवर्नेंस सिस्टम, डेटा प्लेटफॉर्म और एक चीफ डिजिटल ऑफिस होगा। व्यापार और रोजगार बढ़ाने के लिए फ्री ट्रेड जोन, इंटरनेशनल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट, टेक्नोलॉजी हब, इनोवेशन लैब और स्टार्टअप सेंटर भी बनाए जाएंगे, ताकि गाजा को लोकल इकोनॉमिक हब बनाया जा सके।

**10 साल तक चलेगा मेगा प्रोजेक्ट :** इस पूरे मेगा प्रोजेक्ट पर अगले 10 सालों में चरणबद्ध तरीके से खर्च किया जाएगा। अमेरिका करीब 5 लाख करोड़ की राशि ग्रांट और कर्ज की गारंटी के रूप में देगा, जबकि बाकी पैसा खाड़ी देशों, यूरोप और दूसरे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से जुटाया जाएगा। इसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर आगे बढ़ाने की तैयारी है। हालांकि इस योजना के सामने कई बड़ी चुनौतियां भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती करीब 20 लाख फिलिस्तीनियों के पुनर्वास की है। जब गाजा में निर्माण शुरू होगा, तो इतनी बड़ी आबादी को अस्थायी तौर पर दूसरी जगह बसाना पड़ेगा। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि उन्हें कहां रखा जाएगा। दूसरी बड़ी समस्या युद्ध के बाद जमा हुआ करोड़ों टन मलबा है, जिसे हटाने में अरबों डॉलर और लंबा समय लगेगा।

**इजराइली हमलों में 65 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए :** राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़ी दिक्कतें भी कम नहीं हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने की एक शर्त हमास का निरस्त्रीकरण है। लेकिन मौजूदा हालात में हमास का इसके लिए तैयार होना मुश्किल माना जा रहा है, जिससे इस पूरी योजना के अमल पर बड़ा सवाल खड़ा होता है। गौरतलब है कि पिछले दो साल से चल रहे गाजा युद्ध में इजराइल के हवाई और जमीनी हमलों से अब तक 65 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे हैं। करीब 23 लाख की आबादी वाले गाजा में से लगभग 20 लाख लोग बेघर हो चुके हैं, यानी करीब 90% आबादी को अपना घर छोड़ना पड़ा है। ऐसे हालात में अमेरिका की यह योजना गाजा को एक नई शुरुआत देने का दावा करती है, लेकिन इसे जमीन पर उतारना बेहद चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

## नेपाल सेना ने संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जताई प्रतिबद्धता

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल सेना (एनए) ने सोमवार को देश के संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता व्यक्त की और कहा कि उसने कभी कोई राजनीतिक एजेंडा आगे नहीं बढ़ाया। सेना ने यह भी कहा कि उसने के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद स्थिति को सामान्य बनाने के दौरान लिए गए निर्णयों का पूरी तरह सम्मान किया।

सेना का यह बयान मीडिया और राजनीतिक धड़े की ओर से उठाए गए सवालों के जवाब में आया। उन्होंने 8 और 9 सितंबर को जेन-जी आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा में सेना की भूमिका को लेकर सवाल किए थे। जेन-जी आंदोलन के दूसरे दिन ओली सरकार के पतन के बाद जब राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति बनी, तब नेपाल सेना की मदद से देश में सुरक्षा स्थिति सामान्य हुई और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और नेपाल सेना नेतृत्व के सहयोग से अंतरिम सरकार का गठन हुआ। सेना ने राष्ट्रीय समाचार समिति (आरएसएस) को दी गई एक रिपोर्ट में कहा, एक प्रमुख सरकारी संस्था की जिम्मेदारी है कि संकट का जल्द प्रबंध करने के लिए हितधारकों के बीच संवाद को सुगम बनाए, ताकि यह और खराब न हो।

## नीदरलैंड में भीषण सड़क हादसा, क्रिसमस परेड का इंतजार कर रहे लोगों को कार ने मारी टक्कर; 9 घायल

**डच, एजेंसी।** पुलिस ने बताया कि सोमवार रात पूर्वी डच शहर में एक परेड देखने के लिए इंतजार कर रही भीड़ में एक कार घुस गई, जिससे नौ लोग घायल हो गए, जिनमें से कम से कम तीन गंभीर रूप से घायल हैं। गेलडरलैंड पुलिस ने सोशल मीडिया पर कहा कि घटना शुरू में जानबूझकर की गई प्रतीत नहीं होती है, लेकिन वे इसकी जांच कर रहे हैं। एम्स्टर्डम से लगभग 80 किलोमीटर पूर्व में स्थित नुनस्पेट शहर में लोग क्रिसमस की रोशनी से सजे वाहनों की परेड देखने के लिए इंतजार कर रहे थे।

पास के एल्बर्ग नगर पालिका ने सोशल मीडिया पर बताया कि घटना के बाद परेड रोक दी गई। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक 56 वर्षीय महिला थी, जिसे मामूली चोटें आई थीं। पुलिस ने बताया कि गंभीर सड़क दुर्घटना की स्थिति में सामान्य प्रक्रिया के अनुसार उसे हिरासत में लिया गया है। उन्होंने इसके अलावा कोई और जानकारी नहीं दी।

## बांग्लादेश में मीडिया पर हमला करने वाले 17 अरेस्ट, संपादक बोले- खत्म हो गई बोलने की आजादी

**ढाका, एजेंसी।** उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में भड़की हिंसा में मीडिया संस्थानों को बुरी तरह निशाना बनाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक कई पत्रकारों को बंधक भी बना लिया गया था। बांग्लादेश प्रशासन का कहना है कि इस मामले में अब तक 17 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और कुल 31 संदिग्धों की पहचान की गई है। भीड़ ने डेली स्टार और प्रथोम आलो की ऑफिस पर हमला किया था और लूटपाट के बाद आग लगा दी गई थी। घटना के वीडियो की जांच किए जाने के बाद आरोपियों की गिरफ्तार किया गया है। इस हमले के बाद बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्रों के संपादकों ने सोमवार को कहा कि देश में मीडिया अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है और अभिव्यक्ति की आजादी के बजाय अब मुख्य मुद्दा जीवित रहने का अधिकार है। घटना के दौरान कई पत्रकार और कर्मचारी घंटों तक अंदर फंसे रहे क्योंकि पुलिस और अग्निशमन कर्मियों को शुरू में घटनास्थल पर पहुंचने से रोक दिया गया था। बांग्लादेश में गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर्ड जहांगीर आलम

चौधरी ने कहा कि दोनों अखबारों के संपादकों की सुरक्षा के लिए उन्हें गनमैन दिए गए हैं। इसके अलावा उनके घरों की भी सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद नईम, मोहम्मद अकरम, अहमद सागर, अब्दुल अहाद, नजरुल इस्लाम, मोहम्मद जहांगीर और अन्य शामिल हैं। 'डेली स्टार' के संपादक और प्रकाशक महफूज अनम ने वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं, व्यापार जगत की हस्तियों और मीडिया संस्थानों के मालिकों की उपस्थिति में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अब मुख्य मुद्दा नहीं है। अब मुद्दा जीवित रहने का अधिकार है।

## बांग्लादेश की यूनुस सरकार गिराने की तैयारी! उस्मान हादी के संगठन ने दे दी बड़ी चेतावनी

**ढाका, एजेंसी।** मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर भी खतरा मंडरा रहा है। खबर है कि इस सरकार को स्थापित करने में मदद करने वाला इंकलाब मंच इसे हटाने के लिए आंदोलन शुरू कर सकता है। हालांकि, अभी अंतिम फैसला लिया जाना बाकी है। संगठन के प्रवक्ता उस्मान हादी की मौत के बाद हत्यारे को पकड़ने की कोशिशें जारी हैं। इंकलाब मंच ने फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू करने की बात कही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह चेतावनी रविवार को दी गए गे 24 घंटे के अल्टीमेटम के बाद आई है। उस अल्टीमेटम के बाद भी पुलिस की तरफ से कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की गई थी। इंकलाब मंच के पदाधिकारी अब्दुल्ला अल जाबर ने कहा, 'आरोपी की

गिरफ्तारी को लेकर गृह सलाहकार या संबंधित अधिकारियों की तरफ से कोई प्रत्यक्ष कदम लिए बगैर डेडलाइन गुजर गई।'

उन्होंने सोमवार को 3 बजे से ढाका में विरोध प्रदर्शन शुरू करने की बात कही थी। साथ ही कहा था कि उस दौरान तय किया जाएगा कि यूनुस प्रशासन का समर्थन करना है या 'उसे हटाने के लिए आंदोलन की शुरुआत करना है।' उन्होंने आरोप लगाए कि हाल ही में मंत्रालय की ब्रीफिंग से गृह सलाहकार और उनके विशेष सचिव की गैरमौजूदगी इस घटना को कम दिखाने की कोशिश की थी। बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले हिंसक आंदोलन के दूसरे नेता मोतालेब सिकदर के सिर में गोली मार दी। यह हमला प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ। एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी) की संयुक्त प्रधान समन्वयक महमूदा मितु ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, 'एनसीपी के खुलना डिवीजन के प्रमुख और पार्टी के कार्यकर्ता मोर्चे के केंद्रीय समन्वयक मोहम्मद मोतालेब सिकदर को कुछ मिनट पहले गोली मार दी गई।' मितु पेशे से चिकित्सक हैं। उन्होंने बताया कि सिकदर को गंभीर हालत में खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया।

हादी की सिंगापुर में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। हादी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में उम्मीदवार थे। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने शनिवार को हादी की मौत पर राष्ट्रव्यापी शोक का आयोजन किया और कहा कि उनके हत्यारों को पकड़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। हादी पर हमले और उसके बाद हुई उसकी मौत को लेकर ढाका और अन्य प्रमुख शहरों में हिंसा फिर से भड़क उठी।

## अदालत से ट्रंप प्रशासन को झटका, आदेश- जेल भेजे गए वेनेजुएला के कैदियों को मिले अपील का अधिकार

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की एक संघीय अदालत के जज ने ट्रंप प्रशासन को झटका देते हुए आदेश दिया है कि अल सल्वाडोर की जेल भेजे गए वेनेजुएला के कैदियों को भी कानूनी अपील का अधिकार मिलना चाहिए। जज ने कहा कि या तो कैदियों को अदालती सुनवाई की सुविधा मिले या फिर उन्हें अमेरिका वापस लाया जाए। अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज जेम्स बोसबर्ग ने ट्रंप सरकार को उन लोगों के लिए दो हफ्ते के अंदर एक योजना बनाने का आदेश दिया, जिन्हें बाद में अल सल्वाडोर से कैदियों की अदला-बदली में वेनेजुएला वापस भेज दिया गया था।

**जज ने आदेश में क्या कहा :** बोसबर्ग ने आदेश में लिखा, 'याचिकाकर्ताओं को उस तरह से नहीं हटाया जाना चाहिए था, जिस तरह से उन्हें हटाया गया, बिना किसी नोटिस के और उन्हें विरोध करने का कोई मौका भी नहीं दिया गया, जो उनके कानूनी अधिकारों का साफ उल्लंघन है।' ट्रंप प्रशासन की अप्रवासन विरोधी कार्रवाई में यह मामला एक बड़ा कानूनी मुद्दा बन गया है। इसकी शुरुआत मार्च में हुई, जब ट्रंप सरकार ने 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून का इस्तेमाल करते हुए वेनेजुएला के आपराधिक गुटों के सदस्य होने के आरोप में कुछ अप्रवासियों को टेरेरिज्म कन्फाइनमेंट सेंटर नाम की जेल में भेज दिया गया था।

**जज के फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन के फैसले को चुनौती दे सकेंगे निर्वासित किए गए लोग :** जुलाई में अमेरिका के साथ कैदियों की अदला-बदली में 200 से ज़्यादा प्रवासियों को वेनेजुएला वापस भेज दिया गया था। डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा फेडरल बेंच में नियुक्त किए गए जज बोसबर्ग का यह फैसला, निर्वासित किए गए लोगों को इस आरोप को चुनौती देने का रास्ता खोलता है कि वे ट्रेन डी अरागुआ गैंग के सदस्य हैं और एलियन एनिमीज एक्ट के तहत उन्हें अमेरिका से निकाला जा सकता है। प्रवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एसीएलयू के वकील ली गेलर्नंट ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण फैसला साफ करता है कि ट्रंप प्रशासन बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के लोगों को किसी बदनाम विदेशी जेल में नहीं भेज सकता और बस बच नहीं सकता।'

## अमेरिका का बड़ा फैसला- शिनजियांग में मानवाधिकार उल्लंघन उजागर करने वाले चीनी नागरिक की निर्वासन योजना रद्द

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका ने शिनजियांग क्षेत्र में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों को उजागर करने वाले एक चीनी नागरिक को लेकर बड़ा कदम उठाया है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने गुआन हेंग नामक चीनी नागरिक को निर्वासित करने की योजना को वापस ले लिया है। इस फैसले का मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया है। मानवाधिकार वकील रेहान असत ने बताया कि गुआन हेंग के वकील को अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग की ओर से आधिकारिक पत्र मिला है, जिसमें निर्वासन की प्रक्रिया को रोकने की पुष्टि की गई है। असत के अनुसार, अब गुआन का शरण आवेदन सकारात्मक और सुचारू रूप से आगे बढ़ने की उम्मीद है। चीनी मानवाधिकार संगठन के कार्यकारी निदेशक झोउ फेंगसू ने भी इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा हम बेहद खुश हैं। यह मानवाधिकारों के पक्ष में अहम फैसला है।

**शिनजियांग में क्या किया था गुआन हेंग ने :** गुआन हेंग ने साल 2020 में शिनजियांग के कथित हिरासत शिविरों का गुप्त रूप से वीडियो बनाया था। मानवाधिकार संगठनों का दावा है कि इन शिविरों में उइगर समेत करीब 10 लाख अल्पसंख्यकों को बंद किया गया है। चीन सरकार इन आरोपों से इनकार करती रही है। वीडियो सार्वजनिक करना चीन में संभव न होने के कारण गुआन 2021 में देश छोड़कर पहले हांगकांग और फिर इक्वाडोर पहुंचे। वहां से समुद्री रास्ते अमेरिका पहुंचे और बाद में वीडियो यूट्यूब पर जारी किया गया।

**परिवार पर बढ़ा दबाव :** वीडियो सामने आने के बाद गुआन की पहचान उजागर हो गई और चीन में उनके परिवार को सुरक्षा एजेंसियों ने तलब किया। इसके बाद गुआन ने अमेरिका में शरण मांगी और न्यूयॉर्क के पास एक छोटे शहर में रहने लगे। हालांकि, अगस्त में उन्हें इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट ने हिरासत में ले लिया था, जिसके बाद उनके निर्वासन की आशंका बढ़ गई थी। गुआन के समर्थन में अमेरिकी कांग्रेस के कई सदस्य सामने आए। टॉम लैंटोस मानवाधिकार आयोग ने कहा कि गुआन ने उइगरों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को उजागर करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली। डेमोक्रेट सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने गृह सुरक्षा मंत्री को पत्र लिखकर गुआन को रिहा करने और उन्हें शरण देने की मांग की थी।

## अमेरिका के टेक्सास राज्य में मेक्सिकन नेवी का प्लेन क्रैश, 2 साल के बच्चे समेत 5 की मौत

**टेक्सास, एजेंसी।** अमेरिका के टेक्सास राज्य में सोमवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। मेक्सिकन नौसेना का एक विमान गैल्वेस्टन खाड़ी के पानी में गिर गया। इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें एक दो साल का बच्चा भी शामिल है। अमेरिकी कोस्ट गार्ड्स ने इसकी पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि विमान में कुल आठ लोग सवार थे। इनमें से चार लोगों को जिंदा बचा लिया गया, जबकि एक इंसान अब भी लापता है, जिसकी तलाश जारी है।

यह विमान आग में झुलसे हुए मरीजों को इलाज के लिए ले जा रहा था। इनमें बच्चे भी शामिल थे। विमान में मौजूद कुछ लोग एक संस्था से जुड़े थे, जो आग से झुलसे बच्चों की मदद करती है। गैल्वेस्टन काउंटी के शेरिफ ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, गोताखोर, ड्रोन टीम और दूसरी आपात सेवाएं मौके पर भेजी गईं। इसके तुरंत बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। मेक्सिकन नौसेना ने भी हादसे की पुष्टि की है और कहा है कि वह अमेरिकी एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। साथ ही ह्यूस्टन में मेक्सिकन दूतावास से भी संपर्क किया गया है। इस हादसे की जांच अब एफएए और एनटीएसबी जैसी अमेरिकी एजेंसियां कर रही हैं, ताकि पता चल सके कि विमान कैसे और क्यों गिरा। फिलहाल हादसे की असली वजह साफ नहीं हो पाई है। बचाव दल लापता इंसान की तलाश में जुटा है और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है।

**मरीज को ले जा रहा था नौसेना का विमान :** यह दुर्घटना सोमवार को गैल्वेस्टन के पास एक पुल के आधार के पास हुई, जो टेक्सास तट के किनारे ह्यूस्टन से लगभग 50 मील दक्षिण-पूर्व में स्थित है। मेक्सिको की नौसेना ने एक बयान में कहा कि विमान एक चिकित्सा अभियान में सहायता कर रहा था और दुर्घटना का शिकार हो गया। उसने दुर्घटना के कारणों की जांच करने का वादा

किया। नौसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि वह खोज और बचाव अभियान में स्थानीय अधिकारियों की मदद कर रही है। टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी ने एक्स पर बताया कि फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों के दुर्घटनास्थल पर पहुंचने की उम्मीद थी।

**घटना की जांच जारी, कोहरे के चलते हादसे की आशंका :** गैल्वेस्टन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि उसकी गोताखोर टीम, अपराध स्थल इकाई, ड्रोन इकाई और गश्ती दल के अधिकारी दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। शेरिफ कार्यालय ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, 'घटना की जांच जारी है और जैसे ही अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध होगी, उसे जारी किया जाएगा।'

उन्होंने आगे कहा कि जनता को उस क्षेत्र से दूर रहना चाहिए ताकि आपातकालीन बचावकर्मी सुरक्षित रूप से काम कर सकें। गैल्वेस्टन एक द्वीप है जो एक लोकप्रिय समुद्र तट पर्यटन स्थल है। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि मौसम इसका एक कारण था या नहीं। हालांकि, राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम विज्ञानी कैमरून बैटिस्ट के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में घना कोहरा छाया हुआ है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है.

## क्रिसमस पर्व की खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है क्रिसमस

**कहते हैं कि यीशु का जन्म 25 दिसंबर 6 ईसा पूर्व हुआ था। इसीलिए हर वर्ष 25 दिसंबर को जीसस क्राइस्ट के जन्म दिवस को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। आओ जानते हैं इस त्योहार की 15 खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है यह फेस्टिवल।**

- **गोशाला** : क्रिसमस के दिन चर्च में ईसा के जन्म की झांकी बनाई जाती है जिसमें गौशाला बनाकर उसमें बालक येशु को मदर मैरी के साथ दर्शाया जाता है।
- **क्रिसमस ट्री** : सदाबहार क्रिसमस वृक्ष डगलस, बालसम या फर का पौधा होता है जिस पर सजावट की जाती है। क्रिसमस ट्री को रिबन, गिफ्ट, घंटी और लाइट्स लगाकर सजाया जाता है।
- **सैंटा क्लॉज** : मान्यता अनुसार सैंटा क्रिसमस के दिन स्वर्ग से आकर बच्चों के लिए टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटकर वापस स्वर्ग में चले जाते हैं। सैंटा क्लॉज चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर में जन्मे थे। उनका नाम निकोलस था। अब लोग उन्हीं के भेष में बच्चों को गिफ्ट देते हैं।
- **गिफ्ट देना** : परंपरा से अब सिर्फ सांता ही उपहार नहीं देते हैं बल्कि क्रिसमय पर लोग एक दूसरे को उपहार देते हैं। कई लोग सैंटा का भेष धारण करके बच्चों को टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटते हैं।
- **जिंगल बेल** : गिरजाघरों में पारंपरिक तरीके से ईसा मसीह के लिए गाए जा रहे भक्ति गीत के अलावा 'जिंगल बेल्स', 'ओह होली नाइट' और 'सैंटा क्लॉज इज कमिंग टु टाउन' सरीखे गानों से भी माहौल खुशनुमा हो जाता है।
- **क्रिसमस कार्ड** : कहते हैं कि सर्वप्रथम क्रिसमस कार्ड विलियम एंगले द्वारा सन? 1842 में अपने दोस्तों को भेजा था। बाद में यह कार्ड महारानी विक्टोरिया को दिखाया गया। इससे खुश होकर उन्होंने अपने चित्रकार डोबसन को बुलाकर शाही क्रिसमस कार्ड बनवाने के लिए कहा और तब से क्रिसमस कार्ड की शुरुआत हो गई।
- **स्वादिष्ट पकवान** : कई पश्चिम देशों में स्मोक्ड टर्की, फ्रुअ केक, विगिल्ला, जेली पुडिंग, टुररॉन आदि को बनाना पसंद किया जाता है। भारत में भी कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं। क्रिसमस पर हर देश में अलग परम्परागत भोजन भी बनता है। कुछ लोग दूध और कुकीज के रुप में सैंटा के लिये भोजन रखते हैं।
- **क्रिसमय पुडिंग** : पुडिंग बनाने की परंपरा 1970 में प्रारंभ हुई। यह आलू बुखारे से दलिया जैसा व्यंजन बनाया जाता है। बाद में मांस, शराब और रोटी मिलाकर पुडिंग बनाने की परंपरा प्रारंभ हुई।
- **रिंगिंग बेल्स** : क्रिसमस के दिन घंटी को बजाने का भी रिवाज है जिसे रिंगिंग बेल कते हैं। यह बेल सदियों में सूर्य के लिए भी बजाई जाती है और खुशियों के लिए भी। मान्यता है कि घर को घंटियों से सजाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।
- **प्रार्थना** : इस दिन चर्च में विशेष तौर पर सामूहिक प्रार्थना भी की जाती है। इस दिन लोग चर्च जाते हैं और क्रिसमस कैरोल (धार्मिक गीत) गाते हैं।
- **मोजे लटकाना** : संत निकोलस के काल में बच्चे मौजे लटका देते थे ताकि सैंटा उसमें टॉफियां या तोहफे रख सके। हलांकि आज भी कई जगहों पर यह किया जाता है ताकि सैंटा क्लॉज आ सकें और उनमें अपने उपहार डाल सकें।
- **नए वस्त्र** : इस दिन लाल और हरे रंग का अत्यधिक उपयोग होता है क्योंकि लाल रंग जामुन का होता है और यह ईसा मसीह के खून का प्रतीक भी है। इसमें हरा रंग सदाबहार परंपरा का प्रतीक है।
- **पिकनिक** : क्रिसमय की 10 दिन की छुट्टियों के दौरान लोग या तो अपने पैत्रक घर, नाना नानी या दादा दादी के घर जाकर क्रिसमय मनाते हैं। कुछ लोग समुद्र के तट पर जाकर क्रिसमस का आनंद लेते हैं।
- **मोमबत्तियां** : क्रिसमय पर गिरजाघरों में जाकर लोग ईसा मसीह और मदर मैरी की मूर्ति के समक्ष मोमबत्तियां जलाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं। मान्यता है कि अलग-अलग रंगों की मोमबत्तियां जलाने से जीवन में खुशियां और सफलता आती हैं।
- **केक** : ईसा मसीह के जन्मदिन पर खुशियां बांटने के लिए केक खाया जाता है और लोगों को बांटा जाता है।

# अनेक बाधाओं से जूझने के बाद मिली क्रिसमस को मान्यता

सामान्यत: 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस माना जाता है और उसी रूप में क्रिसमस का आयोजन होता है परंतु प्रारंभ में स्वयं धर्माधिकारी भी इस रूप में इस दिन को मान्यता देने के लिए तैयार नहीं थे। यह वास्तव में रोमन जाति के एक त्योहार का दिन था, जिसमें सूर्यदेवता की आराधना की जाती थी। यह माना जाता था कि इसी दिन सूर्य का जन्म हुआ। उन दिनों सूर्य उपासना रोमन सम्राटों का राजकीय धर्म हुआ करता था। बाद में जब ईसाई धर्म का प्रचार हुआ तो कुछ लोग ईसा को सूर्य का अवतार मानकर इसी दिन उनका भी पूजन करने लगे मगर इसे उन दिनों मान्यता नहीं मिल पाई। प्रारंभ में तो ईसाइयों में इस प्रकार के किसी पर्व का सार्वजनिक आयोजन होता ही नहीं था। चौथी शताब्दी में उपासना पद्धति पर चर्चा शुरू हुई और पुरानी लिखित सामग्री के आधार पर उसे तैयार किया गया। 360 ईस्वी के आसपास रोम के एक चर्च में ईसा मसीह के जन्मदिवस पर प्रथम समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्वयं पोप ने भी भाग लिया मगर इसके बाद भी समारोह की तारीख के बारे में मतभेद बने रहे। यहूदी धर्मावलंबी गड़रियों में प्राचीनकाल से ही 8 दिवसीय बसंतकालीन उत्सव मनाने की परंपरा थी। ईसाई धर्म के प्रचार के बाद इस उत्सव में गड़रिए अपने जानवरों के पहले बच्चे की ईसा के नाम पर बलि देने लगे और उन्हीं के नाम पर भोज का आयोजन करने लगे मगर यह समारोह केवल गड़रियों तक सीमित था। उन दिनों कुछ अन्य समारोह भी आयोजित किए जाते थे, जिनकी अवधि 30 नवंबर से 2 फरवरी के बीच में होती थी। जैसे नोर्समेन जाति का यूल पर्व और रोमन लोगों का सेटरनोलिया पर्व, जिसमें नौकरों को मालिक के रूप में आचरण करने की पूरी छूट होती थी। इन उत्सवों का ईसाई धर्म से उस समय तक कोई संबंध नहीं था। तीसरी शताब्दी में ईसा मसीह के जन्मदिन का समारोह करने पर गंभीरता से विचार किया जाने लगा मगर अधिकांश धर्माधिकारियों ने उस समय उस चर्चा में भाग लेने से ही मना कर दिया। फिर भी ईसाई धर्मावलंबियों में विचार-विमर्श हुआ और यह तय किया गया कि बसंत ऋतु का ही कोई दिन इस समारोह के लिए तय किया जाए।

तदनुसार इसके लिए पहले 28 मार्च और फिर 19 अप्रैल के दिन निर्धारित किए गए। बाद में इसे भी बदलकर 20 मई कर दिया गया। इस संदर्भ में 8 और 18 नवंबर की तारीखों के भी प्रस्ताव आए। लंबी बहस और विचार-विमर्श के बाद चौथी शताब्दी में रोमन चर्च तथा सरकार ने संयुक्त रूप से 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस घोषित कर दिया। इसके बावजूद इसे प्रचलन में आने में लंबा समय लगा। इससे पूर्व मनाए जाने वाले अन्य जातियों के उत्सव इनके साथ घुले-मिले रहे और बाद में भी उनके कुछ अंश क्रिसमस के पर्व में स्थायी रूप से जुड़ गए। ईसा की जन्मभूमि यरुशलम में इस तारीख को पांचवीं शताब्दी के मध्य में स्वीकार किया गया। इसके बाद भी क्रिसमस दिवस की यात्रा सहज नहीं रही। विरोध और अंतर्विरोध चलते रहे। 13वीं शताब्दी में जब प्रोटस्टेंट आंदोलन शुरू हुआ तो इस पर्व पर पुन: आलोचनात्मक दृष्टि डाली गई और यह महसूस किया गया कि उस पर पुराने पैगन धर्म का काफी प्रभाव शेष है। इसलिए क्रिसमस केरोल जैसे भक्ति गीतों के गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और 25 दिसंबर 1644 को इंग्लैंड में एक नया कानून बना, जिसके अंतर्गत 25 दिसंबर को उपवास दिवस घोषित कर दिया गया। क्रिसमस विरोधी यह आंदोलन अन्य देशों में भी फैला। अमेरिका में भी इसका प्रभाव हुआ। बोस्टन में तो 1690 में क्रिसमस के त्योहार को प्रतिबंधित ही कर दिया गया। 1836 में अमेरिका में क्रिसमस को कानूनी मान्यता मिली और 25 दिसंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया। इससे विश्व के अन्य देशों में भी इस पर्व को बल मिला।

योरप के विभिन्न भागों में हंसी-खुशी के विभिन्न अवसरों पर वृक्षों को सजाने की प्राचीन परंपरा थी। जर्मनी में 24 दिसंबर को एक पर्व मनाया जाता था और उसी दिन एक रहस्यात्मक नाटक भी खेला जाता था- 'अदन का वृक्ष'। संभव है इन परंपराओं ने क्रिसमस वृक्ष की विचारधारा को जन्म दिया हो। इस विचारधारा के साथ बाद में अनेक दंतकथाएं भी जुड़ गईं। 1821 में इंग्लैंड की महारानी ने एक 'क्रिसमस वृक्ष' बनवाकर बच्चों के साथ समारोह का आनंद उठाया था। उन्होंने ही इस वृक्ष में एक देव प्रतिमा रखने की परंपरा को जन्म दिया। बधाई के लिए पहला क्रिसमस कार्ड लंदन में 1844 में तैयार हुआ और उसके बाद क्रिसमस कार्ड देने की प्रथा 1870 तक संपूर्ण विश्व में फैल गई। जहां तक सान्ता क्लॉज का संबंध है, इसकी परंपरा क्रिसमस के साथ काफी बाद में जुड़ी। मध्ययुग में संत निकोलस (जन्म 340 ईस्वी) का जन्म दिवस 6 दिसंबर को मनाया जाता था और यह मान्यता थी कि इस रात्रि को संत निकोलस बच्चों के लिए तरह-तरह के उपहार लेकर आते हैं। यही संत निकोलस अमेरिकी बच्चों के लिए 'सान्ता क्लॉज' बन गए और वहां से यह नाम संपूर्ण विश्व में लोकप्रिय हो गया। आज विश्व के लगभग 100 देशों में क्रिसमस का त्योहार बड़े उल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाता है। अनेक देशों में इस दिन राजकीय अवकाश घोषित किया जाता है तथा सभी ईसाईजन बड़े आमोद-प्रमोद और तरह-तरह के पकवानों के साथ उत्सव का आयोजन करते हैं! इस मंजिल तक पहुंचने में इस पर्व को लंबा समय लगा है और उसे अनेक बाधाओं से जूझना पड़ा है। पिछली लगभग डेढ़ शताब्दी से ही क्रिसमस का पर्व अपने वर्तमान रूप में निर्विघ्न आयोजित होने लगा है।बदलते समय के साथ दिन-प्रतिदिन इसका चलन और ज्यादा बढ़ गया है।

# क्रिसमस की ये हैं सदाबहार पवित्र चीजें

होली (शूलपर्णी), मिसलटो (वांदा), लबलब (आइव) यह कुछ सदाबहार चीजें हैं, जिन्हें पवित्र माना जाता है। इन सभी का अपना एक अलग अर्थ है।

होली माला - परंपरागत रूप से होली माला घरों तथा गिरजाघरों में लटकाई जाती है। इसे सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। भारत में इन होली मालाओं में मोमबतियां लगाई जाती हैं।

मिसलटो - आम तौर पर यह बेर के आकार की सफेद रचनाएं होती हैं जो सेबफल के वृक्षों की शाखाओं पर पाई जाती हैं। इसका सर्वाधिक प्रचलित और लोकप्रिय अर्थ यह है कि इसके नीचे खड़ा रहने वाला किसी का भी चुंबन ले सकता है।

परंपरागत रूप से यह माना जाता है कि मिसलटो के नीचे मिलने वाले दो मित्रों पर भाग्य हमेशा मुस्कुराता रहता है और यदि दो दुश्मन इसके नीचे मिल जाएं तो दुश्मनी दोस्ती में बदल जाती है यानि कि यह मित्रता और प्रेम का प्रतीक है।

आइव - यह मित्रता का प्रतीक है। ऐसा प्रेम जो स्थायी तथा अटूट होता है।

संत निकोलस (सांता क्लॉज) - सांता क्लाज शब्द की उत्पत्ति डच सिंटर क्लाज से हुई है। यह संत निकोलस का लोकप्रिय नाम है। दिलचस्प बात तो यह है कि संत निकोलस की कहानी का येसु के जन्मोत्सव से कोई लेना-देना नहीं है। निकोलस पर्व 6 दिसंबर को मनाया जाता है तथा इस दिन परंपरानुसार बच्चों को फलों तथा मिठाइयों के तोहफे दिए जाते हैं।

ऐसी धारणा है कि संत निकोलस एक ईसाई पादरी थे जो एशिया माइनर में कोई डेढ़ हजार साल पहले रहते थे। वे बहुत उदार तथा दयालु थे तथा हमेशा जरूरतमंदों की सहायता करते रहते थे।

बच्चों से उनके संबंधों के बारे में एक किंवदंती प्रचलित है कि एक बार वे ऐसे मकान में ठहरे थे, जहां तीन बच्चों की हत्याएं कर उनके शवों को अचार की बरनियों में छिपा दिया गया था। संत निकोलस ने चमत्कार द्वारा उन बच्चों को जीवित कर दिया। तभी से उन्हें बच्चों का संत कहा जाने लगा। एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरुरतमंद बच्चों को चाकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

# क्रिसमस को बड़ा दिन क्यों कहा जाता है?

भारतीय संस्कृति को परंपराओं का संगम कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। सभी त्योहारों की तरह क्रिसमस यानी बड़े दिन का त्यौहार पूरे विश्व की तरह भारत भर में मनाया जाता है, मगर क्या कभी आपने सोंचा है भारत में क्रिसमस को बडे दिन के नाम से क्यों पूकारा जाता है। वैसे तो क्रिसमस को प्रभु ईसा मसीह या यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाता है। भारत में क्रिसमस को बड़ा दिन कहने के पीछे कई अलग अलग मान्यताएं प्रचलित है कहा जाता है।पहले इसे रोमन उत्सव के रूप में मनाया जाता था इस दिन लोग एक दूसरे को ढेर सारे उपहार देते थे। जब धीरे-धीरे ईसाई सभ्यता पनपने लगी तब भारत में यह दिन मकर संक्रान्ति के रूप में मनाया जाने लगा। इसके अलावा बड़े दिन के पीछे प्रभू ईसा के जन्म से जुड़ी कई कथाएं भी प्रचलित हैं। 25 दिसंबर यीशु मसीह के जन्म की कोई ज्ञात वास्तविक जन्म तिथि नहीं है। एन्नो डोमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, 7 से 2 ईपू. के बीच हुआ था भारत में इस तिथि को एक रोमन पर्व यामकर संक्रांति से संबंध स्थापित करने के आधार पर चुना गया है जिसकी वजह से इसे बड़े दिन के नाम से मनाया जाने लगा। वैसे तो पूरी दुनिया में इसे इसे 25 दिसंबर को मनाया जाता है मगर जर्मनी में 24 दिसंबर को ही इससे जुड़े समारोह शुरू हो जाते हैं। क्रिसमस के दिन संता क्लॉज का भी अपना अलग महत्व है, कहते हैं इस दिन सांता क्लॉज बच्चों के लिए ढेर सारे खिलौने और चॉकलेट लाते है। सांता क्लॉज को क्रिसमस का पिता भी कहा जाता है जो केवल क्रिसमस वाले दिन ही आते हैं। क्रिसमस का एक और दिलचस्प पहलू यह है कि ईसा मसीह के जन्म की कहानी का संता क्लॉज की कहानी के साथ कोई संबंध नहीं है, कहते हैं तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप संत निकोलस के नाम पर सांता क्लॉज का चलन करीब चौथी सदी में शुरू हुआ वे गरीब और बेसहारा बच्चों को तोहफे दिया करते थे। चाहे क्रिसमस कहें या फिर बड़ा दिन कुल मिलाकर इस दिन चारों ओर खुशियां ही खुशियां दिखाई देती है, लोग अपने घरों को सजाते है, गिरजाघरों में प्राथनाएं होती है। अब क्रिसमस को आने में कुछ ही दिन बचें है बाजारों में क्रिसमस गिफ्ट, कार्ड, प्रभु ईशु की चित्राकृतियाँ, सांता क्लॉज की टोपी, सजावटी सामग्री और केक मिलने भी शुरू हो गए है।

# क्रिसमस ट्री कैसे बना ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक

क्रिसमस ट्री/वृक्ष- सदाबहार झाड़ियों तथा वृक्षों को ईसा युग से पूर्व भी पवित्र माना जाता रहा है। इसका मूल आधार यह रहा है कि फर वृक्ष की तरह के सदाबहार वृक्ष बर्फीली सर्दियों में भी हरे-भरे रहते हैं। इसी धारणा के आधार पर रोमनवासियों ने सर्दियों के भव्य भगवान सूर्य के सम्मान में मनाए जाने वाले सैटर्नेलिया पर्व में चीड़ के वृक्षों को सजाने की परंपरा आरंभ की थी। क्रिसमस के परिप्रेक्ष्य में सदाबहार फर का प्रतीक ईसाई संत बोनिफेस द्वारा ईजाद किया गया था। जर्मनी में यात्राएं करते हुए वे एक ओक वृक्ष के नीचे विश्राम कर रहे थे, जहां गैर ईसाई ईश्वरों की संतुष्टि के लिए लोगों की बलि दी जाती थी। संत बोनिफेस ने वह वृक्ष काट डाला और उसके स्थान पर फर का वृक्ष लगाया। तभी से अपने धार्मिक संदेशों के लिए संत बोनिफेस फर के प्रतीक का प्रयोग करने लगे थे। इसके बारे में एक जर्मन किंवदंती यह भी है कि जब नवजात शिशु के रूप में येसु का जन्म हुआ वहां चर रहे पशुओं ने उन्हें प्रणाम किया और देखते ही देखते जंगल के सारे वृक्ष सदाबहार हरी पत्तियों से लद गए। बस, तभी से क्रिसमस ट्री को ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक माना जाने लगा।

एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरूरतमंद बच्चों को चॉकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

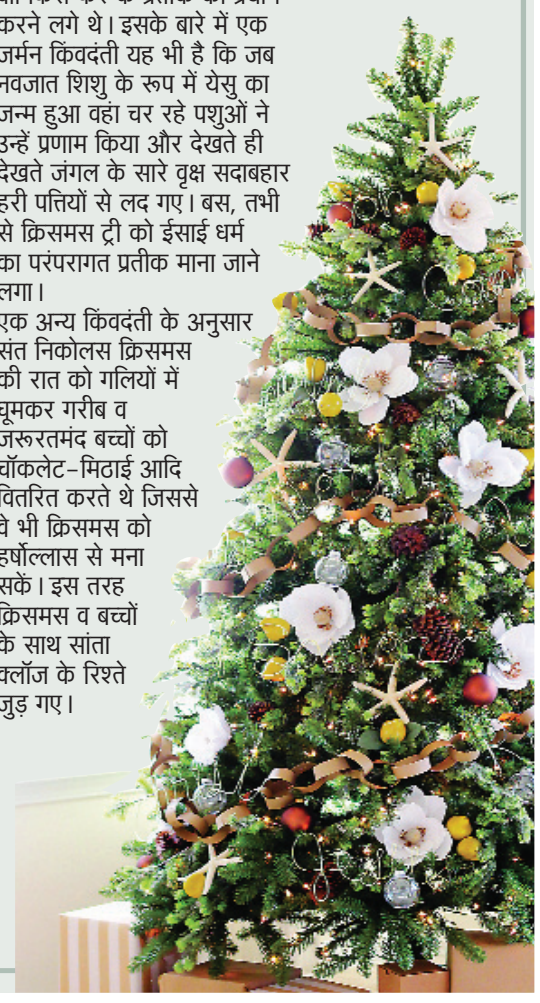

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## बेंगलुरु में सनसनीखेज वारदात : सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने बीच सड़क पर की पत्नी की हत्या

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के राजाजी नगर इंडस्ट्रियल एरिया में एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई, जहां एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपनी पत्नी की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद थाने जाकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस की शुरुआती जांच में इस जघन्य हत्याकांड के पीछे वैवाहिक विवाद और संदेह को मुख्य कारण माना जा रहा है। मृतका की पहचान 39 वर्षीय भुवनेश्वरी के रूप में हुई है, जो यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की बसवेश्वरनगर शाखा में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत थीं। आरोपी पति बालामुरुगन, जो एक निजी आईटी कंपनी में कार्यरत था, मूल रूप से तमिलनाडु के सेलम जिले का निवासी है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे जब भुवनेश्वरी दफ्तर से घर लौट रही थीं, तब बालामुरुगन ने मुख्य सड़क पर उन पर बेहद करीब से चार गोलियां चलाईं। इनमें से दो गोलियां उनके सिर में और दो बाएं हाथ में लगीं। घायल अवस्था में उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

## गोवा नाइट क्लब अग्निकांड के दोनों प्रबंधकों को कोर्ट ने शर्तों के साथ दी जमानत

पणजी (एजेंसी)। गोवा की एक कोर्ट ने नाइटक्लब अग्निकांड के दो प्रबंधकों को जमानत दे दी। उन दोनों को इस महीने की शुरूआत में आग लगने की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इस घटना में 25 लोगों की मौत हो गई थी। जिला न्यायाधीश डी वी पाटकर ने क्लब के दोनों प्रबंधकों को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी, जबकि उन्होंने तीसरे प्रबंधक विवेक सिंह की इसी तरह की अर्जी को खारिज कर दिया। इन तीनों को उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव स्थित नाइट क्लब में भीषण आग लगने के एक दिन बाद सात दिसंबर को गिरफ्तार किया था। सिंघानिया (बार मैनेजर) और ठाकुर (गेट मैनेजर) का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता ने कहा कि जमानत देते समय कोर्ट ने कहा कि आवेदक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मामले के तथ्यों से अवगत किसी भी व्यक्ति को कोई प्रलोभन या धमकी नहीं देंगे। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि राजवीर और प्रियांशु उसकी पूर्व अनुमति के बिना भारत से बाहर नहीं जाएंगे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि आरोपी जब भी जरुरत हो, जांच अधिकारी द्वारा पूछताछ के लिए उपलब्ध रहेंगे और जांच में सहयोग करेंगे। जमानत आदेश में कहा गया है, आवेदकों को आरोप पत्र/अंतिम रिपोर्ट दाखिल होने तक, महीने में एक बार जांच अधिकारी या अंजुना पुलिस थाने के मुख्य जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा। अरपोरा के रोमियो लेन स्थित 'बर्च बाई रोमियो लेन' नाइटक्लब में छह दिसंबर को लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत हो गई थी। मामले में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें क्लब के दो सह-मालिक गौरव लूथरा और उसके भाई सौरभ लूथरा भी शामिल हैं। दोनों को थाईलैंड से हिरासत में लेकर भारत लाया गया था।

## आर्मी कैंप में फायरिंग, जेसीओ की मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में स्थित एक आर्मी कैंप के भीतर फायरिंग हुई। घटना में सेना के एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार देर रात हुई। रक्षा प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता के अनुसार, ड्यूटी के दौरान जेसीओ को गोली लगी थी। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच में इस घटना के पीछे किसी आतंकी साजिश की आशंका से इनकार किया गया है। मामले की जांच जारी है। तथ्यों की पुष्टि के बाद आगे की जानकारी साझा की जाएगी।

## 20 साल बाद उद्धव-राज ठाकरे की पार्टी में गठबंधन, कहा -हमारी सोच एक, बंटेंगे तो बिखरेंगे

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव और राज ठाकरे ने बुधवार को बृहन मुंबई नगर निगम चुनाव एक साथ लडने का ऐलान किया। 20 साल बाद दोनों की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) और मनसे में चुनावी गठबंधन हुआ है। इससे पहले 2005 में राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर मनसे पार्टी बनाई थी। दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी सोच एक है अगर बंटेंगे तो बिखरेंगे। महाराष्ट्र के लिए हम सब एक हैं। इससे पहले दोनों नेता शिवाजी पार्क स्थित बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 नगर निगमों में 15 जनवरी को वोटिंग होगी। 16 जनवरी को रिजल्ट आएगा। राज ठाकरे ने कहा कि मैने एक बार कहा था कि हमारी आपसी किसी भी विवाद या लड़ाई से महाराष्ट्र बड़ा है। आज की बैठक के बाद हम अन्य नगर निगमों के लिए भी घोषणा करेंगे। मुंबई का मेयर मराठी ही होगा और वह हमारे दल से होगा। वहीं उधव ठाकरे ने कहा कि मैं सभी से अनुरोध और अपील करता हूं कि पिछली विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने बंटेंगे तो कटेंगे जैसा दुष्प्रचार किया था। मैं मराठी लोगों से कहना चाहता हूं- अब अगर आपसे चूक हुई तो सब खत्म हो जाएगा। अब अगर हम बंटे तो पूरी तरह मिट जाएंगे। इसलिए न टूटें, न बंटें। मराठी अस्मिता की विरासत को न छोंड़ें।

## जम्मू कश्मीर के पांच जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के ऊपरी इलाकों में हाल में हुई भारी बर्फबारी के मद्देनजर केंद्र शासित प्रदेश के पांच जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी दी गई है। जिला अधिकारियों ने बताया कि डोडा, गांदरबल, किश्तवाड़, पुंछ और रामबन जिलों के लिए कम खतरे वाली हिमस्खलन की चेतावनी दी गई है। उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान इन जिलों से 2,800 मीटर ऊपर हिमस्खलन होने की आशंका है। लोगों से हिमस्खलन की आशंका वाले इलाकों से बचने और सरकार की ओर से जारी परामर्श का पालन करने को कहा गया है। जम्मू कश्मीर के ज्यादातर ऊपरी इलाकों में इस हफ्ते हल्की से भारी बर्फबारी हुई है।

# जल संकट से जूझ रही दुनिया के सामने हालिया रिसर्च में सामने आया चौंकाने वाला आंकड़ा

### इंसानों से ज्यादा पानी पी रहा है एआई! - दुनिया भर के बोतलबंद पानी से भी ज्यादा की खपत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मोबाइल स्क्रीन पर उंगलियां चलती हैं, एक सवाल टाइप होता है और कुछ सेकंड में जवाब सामने होता है। आज एआई हमारी जिंदगी का इतना नॉर्मल हिस्सा बन चुका है कि हम रुककर यह सोचते भी नहीं कि इसके पीछे क्या चल रहा है। लेकिन जिस एसआई को हम स्मार्ट, फास्ट और फ्यूचर मान रहे हैं, वही एसआई चुपचाप धरती का पानी पी रहा है और वो भी इतनी मात्रा में कि अब खतरे की घंटी बजने लगी है। लगातार ये बहस चल रही है कि इसे रोका कैसे जाए और क्या-क्या विकल्प हैं। हालिया रिसर्च में सामने आया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम्स की सालाना पानी की खपत अब उस पानी से ज्यादा हो सकती है, जितना पूरी दुनिया में एक साल में बोतलबंद पानी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। यह आंकड़ा सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन टेक इंडस्ट्री के अंदर यह सच्चाई धीरे-धीरे साफ हो रही है।

एसआई कोई हवा में चलने वाला जादू नहीं है। इसके पीछे हैं बड़े-बड़े डेटा सेंटस। ऐसी जगहें जहां हजारों सर्वर दिन-रात चलते रहते हैं। जब ये सर्वर काम करते हैं, तो गर्म होते हैं। इस गर्मी को कंट्रोल करने के लिए पानी का इस्तेमाल होता है। यही पानी असल में एसआई का असली ईंधन है, जिसके बारे में आम यूजर को कभी बताया नहीं जाता। रिसर्च बताती है कि 2025 तक एसआई से जुड़े सिस्टम 300 से 700 अरब लीटर तक पानी साल भर में खपा सकते हैं। कंपेयर करें तो यह मात्रा पूरी दुनिया में बिकने वाले बोतलबंद पानी से भी ज्यादा बैठती है। यानी जिस पानी को लोग खरीद-खरीद कर पीते हैं, उससे ज्यादा पानी एसआई की मशीनें खामोशी से इस्तेमाल कर रही हैं।

#### पानी के साथ बिजली भी...

मामला सिर्फ पानी तक लिमिटेड नहीं है। इन डेटा सेंटर्स को चलाने के लिए भारी मात्रा में बिजली चाहिए, और बिजली का मतलब है ज्यादा कार्बन उत्सर्जन। अनुमान है कि आने वाले समय में एसआई से पैदा होने वाला कार्बन फुटप्रिंट कई बड़े शहरों के सालाना प्रदूषण के बराबर हो सकता है। लेकिन इस पर अब तक खुलकर बात नहीं हुई, क्योंकि ज्यादातर बड़ी टेक कंपनियां अपने डेटा सेंटर्स की असली पानी और बिजली खपत सार्वजनिक नहीं करतीं। दिलचस्प बात यह है कि एक-एक एसआई सवाल भले ही छोटा लगे, लेकिन उसका असर जुड़ता जाता है। जब करोड़ों लोग रोजाना एसआई टूल्स का इस्तेमाल करते हैं, तो पानी की यह छोटी-छोटी खपत मिलकर अरबों लीटर तक पहुंच जाती है। यही वजह है कि एक्सपर्ट्स अब चेतावनी देने लगे हैं कि अगर एसआईकी यह रफ्तार बिना किसी प्लानिंग के चलती रही, तो पानी की कमी और गहराएगी।

#### जल संकट से जूझ रही दुनिया

आज दुनिया पहले ही जल संकट से जूझ रही है। कई शहरों में पानी की सप्लाई सीमित है, गांवों में भूजल स्तर गिर रहा है और जलवायु परिवर्तन हालात और बिगाड़ रहा है। ऐसे में एआई का यह बढ़ता पानी-खर्च एक नया और बड़ा सवाल खड़ा करता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस टेक्नोलॉजी की कीमत आने वाली पीढ़ियों के पानी से चुका रहे हैं। एआई को रोकना संभव नहीं है, और न ही जरूरी। लेकिन अब यह साफ हो चुका है कि सिर्फ स्मार्ट फीचर्स और तेज जवाब ही काफी नहीं हैं। सवाल यह भी है कि एआई कितना पानी ले रहा है, कहां से ले रहा है और इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। कई एआई कंपनियां विक्लपों पर भी काम कर रही हैं कि कैसे पानी और बिजली की खपत को कम किया जा सके।

## उप्र और बिहार की लोक अदालतों का खर्चा दिल्ली से 200 गुना ज्यादा

नई दिल्ली। दिल्ली की तुलना में उत्तर प्रदेश और बिहार की स्थायी लोक अदालतों (पीएलए) में प्रति मामले निपटान का खर्च लगभग 200 गुना अधिक है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में प्रति मामले औसत निपटान खर्च मात्र 500 रुपये है, जबकि हरियाणा में यह 766 रुपये। इसके उलट, उत्तर प्रदेश में यह राशि 1,10,895 रुपये और बिहार में करीब 1,06,000 रुपये पहुंच जाती है। राष्ट्रीय औसत प्रति मामले निपटान खर्च 2,650 रुपये है। स्थायी लोक अदालतों की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। वर्ष 2016-17 में केवल 93 हजार मामलों का निपटारा हुआ था, जो 2024-25 में बढ़कर 2.37 लाख से अधिक हो गया। यह 155 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है, जो न्याय प्रणाली की तेजी और पहुंच में मजबूती का संकेत है। इससे स्पष्ट है कि दिल्ली के मुकाबले उत्तर प्रदेश और बिहार में खर्च 200 गुना से ज्यादा, जबकि हरियाणा की तुलना में 140 गुना अधिक है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि संसाधनों का बेहतर उपयोग करके खर्च को तर्कसंगत बनाया जाए, ताकि दक्षता और परिणामों में सुधार हो। साथ ही, प्रत्येक बैठक पर औसतन 17 हजार रुपये खर्च होने की बात सामने आई है।रिपोर्ट में स्थायी लोक अदालतों में रिक्त पदों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। बिहार, पंजाब, तमिलनाडु, राजस्थान और ओडिशा जैसे राज्यों में अध्यक्षों व सदस्यों की नियुक्ति में बड़ी कमी है, जिससे संस्थान का कामकाज प्रभावित हो रहा है। समाधान के लिए मजबूत नियुक्ति और निगरानी व्यवस्था लागू करने की अनुशंसा की गई है, जिससे इन अदालतों की पहुंच व प्रभावशीलता बढ़ सके। 2015 से 2025 के बीच देशभर में 1.61 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान की गई। इसके परिणामस्वरूप पीड़ितों को कुल 2,354 करोड़ रुपये का मुआवजा मिला। इसी अवधि में राष्ट्रीय लोक अदालतों के जरिए 40 करोड़ से ज्यादा मामलों का निपटारा हुआ, जबकि स्थायी लोक अदालतों में 13,11,345 मामलों का समाधान किया गया।

## पर्यावरण मंत्री का दावा कहा- प्रदूषण के लिए सिर्फ दिल्ली जिम्मेदार नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली-एनसीआर में गहराते वायु प्रदूषण के संकट पर केंद्र सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि राजधानी की हवा में घुलता जहर केवल स्थानीय गतिविधियों का परिणाम नहीं है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक आर्थिक सम्मेलन के दौरान इस गंभीर मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने रेखांकित किया कि दिल्ली के प्रदूषण को केवल शहर की सीमाओं के भीतर से पैदा होने वाले उत्सर्जन के चश्मे से देखना गलत होगा। प्रदूषण के लिए सिर्फ दिल्ली जिम्मेदार नहीं है। इसके पीछे पड़ोसी राज्यों से आने वाला धुआं, भौगोलिक स्थितियां, मौसम में बदलाव और क्षेत्रीय वायु प्रवाह जैसे कई महत्वपूर्ण कारक जिम्मेदार हैं।

मंत्री भूपेंद्र यादव ने स्पष्ट किया कि वायु गुणवत्ता की समस्या एक क्षेत्रीय चुनौती है, जिसके लिए केंद्र सरकार सभी संबंधित राज्यों के साथ मिलकर एक समन्वित रणनीति पर काम कर रही है। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। मंत्री ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में किए गए निरंतर प्रयासों के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार के संकेत मिले हैं। साल 2016 में जहां दिल्ली ने केवल 110 स्वस्थ एक्यूआई दिन (बेहतर वायु गुणवत्ता वाले दिन) देखे थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर औसतन 200 दिनों तक पहुंच गई है। इस सुधार का मुख्य श्रेय प्रदूषण नियंत्रण के कड़े उपायों और पंजाब व हरियाणा जैसे राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं में आई कमी को दिया गया है। हालांकि, उन्होंने सचेत किया कि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सरकार का मानना है कि दिल्ली-एनसीआर की हवा को पूरी तरह स्वच्छ बनाने के लिए केवल राजधानी के स्तर पर प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे। इसके लिए एक व्यापक और स्पष्ट विजन की आवश्यकता है, जिसमें पड़ोसी राज्यों का सक्रिय सहयोग और क्षेत्रीय स्तर पर प्रदूषण के स्रोतों की पहचान कर उन्हें नियंत्रित करना अनिवार्य है। अंततः, सामूहिक उत्तरदायित्व और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही इस वार्षिक पर्यावरणीय संकट का स्थायी समाधान प्रदान कर सकते हैं।

# प्रियंका गांधी का एकमात्र उद्देश्य भाई राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना: शिवकुमार

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का यह बयान हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली में मीडिया से बात कर उन्होंने न केवल राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के नेतृत्व को लेकर स्थिति स्पष्ट की, बल्कि कर्नाटक की राजनीति में चल रही उथल-पुथल पर भी अपनी राय रखी। शिवकुमार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में देखा जा रहा था।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रियंका गांधी का एकमात्र उद्देश्य अपने भाई राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाना है। शिवकुमार ने कहा कि उनके लिए मल्लिकार्जुन खड़गे (एआईसीसी अध्यक्ष) ही सर्वोच्च नेता हैं और राहुल गांधी विपक्ष के नेता के रूप में पार्टी का मुख्य चेहरा हैं। दरअसल यह स्पष्टीकरण रॉबर्ट वाड्रा के उस बयान के बाद आया जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी प्रियंका गांधी वाड्रा की नेतृत्व क्षमता की तारीफ कर उनके राजनीति में उज्ज्वल भविष्य की बात की थी, जिससे नेतृत्व को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई थीं।

वहीं पिछले कुछ समय से कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के सत्ता हस्तांतरण के समझौते की खबरें आ रही थीं। इस विवाद पर शिवकुमार ने कहा कि वर्तमान में नेतृत्व को लेकर कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा, मैं उपमुख्यमंत्री के रूप में खुश हूं और मुझे एक पार्टी कार्यकर्ता बने रहना पसंद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नेतृत्व को लेकर कोई भी निर्णय लेना पूरी तरह से कांग्रेस आलाकमान का अधिकार है और जो भी निर्णय लिया जाएगा, वह उन्हें स्वीकार होगा। डीके का यह बयान कांग्रेस के भीतर एकता दिखाने और नेतृत्व को लेकर किसी भी तरह के भ्रम को दूर करने की एक कोशिश है। विशेष रूप से प्रियंका गांधी को

लेकर उनके बयान ने यह संदेश दिया है कि परिवार के भीतर और पार्टी में राहुल गांधी ही प्रधानमंत्री पद के लिए पहली पसंद बने हुए हैं।

## नशे को न और खेलों का हां कहें युवा : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

आगरा (एजेंसी)। उप-राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि माता-पिता अपने बच्चों को खेलों के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे खेलों से जुडेंगे और खेल में पारंगत होकर देश के लिए पदक जीतेंगे। उन्होंने खिलाडियों से कहा कि नशे का न कहें और खेलों को हां कहें। जब खेलों में व्यस्त रहेंगे, तो नशे के लिए समय ही नहीं होगा। सांसद खेल स्पर्धा समारोह में मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन रहे. एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम सांसद खेल स्पर्धा में तलवार बाजी और वॉलीबॉल मैच हुआ। इसके साथ ही उप-राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अलग-अलग इवेंट में विजेता रहे खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किया। अपने सम्बोधन में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि आगरा आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं कॉलेज में लंबी दूरी का धावक और टेबिल टेनिस खिलाड़ी रहा हूं। मैंने केरल 800 किलोमीटर की पदयात्रा भी खिलाड़ी होने की वजह से सही से की थी। खेल हमें स्वस्थ रखते हैं। खेल केवल स्पर्धा नहीं हैं। हार और जीत के साथ ही हमें अनुशासन, धैर्य, परिश्रम करना सिखाते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 2014 के बाद भारत का ओलंपिक में प्रदर्शन सुधारा है। मेडल बढ़े हैं। पहले हमारा ध्यान हॉकी पर था। आज हमारे खिलाड़ी बैडमिंटन, बॉक्सिंग, पॉवर लिफ्टिंग, कुश्ती और अन्य इवेंट में मेडल जीत रहे हैं। ये उपलब्धि संयोग नहीं हैं। खिलाड़ी केंद्रित और नए इनोवेशन का परिणाम हैं। महिलाओं की खेलों में भागीदारी को बढ़ रही है।

# अंकिता हत्याकांड में उत्तराखंड भाजपा प्रभारी का नाम सामने आने के बाद कांग्रेस हमलावर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस ने अंकिता भंडारी हत्याकांड में उत्तराखंड भाजपा प्रभारी का नाम सामने आने के बाद मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में सीबीआई से कराने की मांग की है। पार्टी ने कहा है कि भाजपा सरकार दोषियों को बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है।

इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, प्रदेश कांग्रेस के सह-प्रभारी सचिव सुरेंद्र शर्मा और मनोज यादव ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा खोखला साबित हो रहा है और उत्तराखंड में महिलाओं की सुरक्षा गंभीर खतरे में है।

गोदियाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक वीडियो दिखाया, जिसमें खुद को भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर की पत्नी बताने वाली एक महिला यह दावा करती नजर आ रही है कि उसके पति की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग है, जिसमें अंकिता भंडारी की हत्या का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि यह ऑडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो चुका है। इसमें सुरेश राठौर यह कहते सुनाई देते हैं कि अंकिता की हत्या इसलिए हुई क्योंकि उसके ऊपर उत्तराखंड भाजपा के प्रभारी

दुष्यंत कुमार गौतम के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया जा रहा था। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा नेता बेटियों के प्रति कैसी नीयत रखते हैं, यह शर्मनाक सच्चाई इस मामले से उजागर होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के नाम सामने आए हैं, तो पूरी भाजपा सरकार उन्हें बचा रही है और खामोश बैठी हुई है। उन्होंने बताया कि शुरुआत से ही भाजपा सरकार ने इस मामले को दबाने की पूरी कोशिश की। उन्होंने कहा कि अंकिता भंडारी के लापता होने के बाद उसका शव मिलने से पहले ही उसके कमरे को बुलडोजर से तोड़ दिया गया और बिस्तर को जलाने की कोशिश हुई। उन्होंने कहा कि यह पूरी कार्रवाई सबूतों को नष्ट करने की साजिश का हिस्सा थी। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कार्रवाई करनी ही थी, तो होटल मालिक के निजी आवास पर क्यों नहीं की गई। गोदियाल ने उत्तराखंड सरकार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता का दुरुपयोग कर इस केस को दबाने और प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश की गई। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में गठित एसआईटी ने निष्पक्ष जांच करने के बजाय गवाहों को डराने का काम किया।

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और इसकी जांच सुप्रीम कोर्ट के किसी वर्तमान या सेवानिवृत्त जज की निगरानी में सीबीआई से कराई जाए, ताकि किसी भी तरह का दबाव जांच को प्रभावित न कर सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले 10-12 दिनों में उत्तराखंड सरकार सीबीआई जांच की संस्तुति नहीं करती, तो कांग्रेस गढ़वाल मंडल मुख्यालय में बड़ा धरना-प्रदर्शन करेगी। गणेश गोदियाल ने कहा कि अंकिता भंडारी को न्याय दिलाना सिर्फ एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज और महिला सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती, कांग्रेस इस लड़ाई को पूरी मजबूती से जारी रखेगी।

# सेक्युलर होने का अर्थ किसी एक वर्ग का तुष्टिकरण करना नहीं: केंद्रीय मंत्री गडकरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में आयोजित पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रमों के दौरान देश की राजनीतिक विचारधारा और सांस्कृतिक विरासत पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने वर्तमान सामाजिक चुनौतियों के लिए कांग्रेस की सेक्युलरिज्म की व्याख्या और वोट बैंक की राजनीति को जिम्मेदार ठहराया। गडकरी के अनुसार, देश में आज जो सांप्रदायिक समस्याएं दिखाई देती हैं, उनका मूल कारण धर्मनिरपेक्षता की गलत समझ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेक्युलर होने का अर्थ किसी एक वर्ग का तुष्टिकरण करना नहीं, बल्कि सर्व धर्म समभाव की भावना के साथ सभी धर्मों को समान सम्मान देना और सभी के साथ बराबरी का व्यवहार सुनिश्चित करना है।

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष प्रो. वासुदेव देवनानी की पुस्तक सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि के विमोचन पर बोलते हुए गडकरी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शब्दों को दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है और

हमेशा रहेगा, लेकिन यह किसी राजनीतिक दल या संगठन के कारण नहीं, बल्कि हमारी प्राचीन हिंदू और सनातन संस्कृति की वजह से है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सनातन संस्कृति विश्व कल्याण, सहिष्णुता और करुणा की सीख देती है और इतिहास गवाह है कि किसी भी हिंदू राजा ने धार्मिक स्थलों को नष्ट करने का कार्य नहीं किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी गरिमामयी उपस्थिति में मौजूद रहे। एक अन्य कार्यक्रम में नेशन फर्स्ट की अवधारणा पर चर्चा करते हुए गडकरी ने कहा कि राष्ट्रवाद केवल नारों तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार, वास्तविक प्रगति के लिए देश के इतिहास को ईमानदारी से समझना और व्यवस्था की कमियों को दूर कर भविष्य की क्षमताओं को विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आधुनिकीकरण का अर्थ पश्चिमी देशों की अंधी नकल करना नहीं, बल्कि अपने सभ्यतागत आत्मविश्वास को बनाए रखते हुए आगे बढ़ना है। इन कार्यक्रमों में भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए, जहां भारतीय मूल्यों और राष्ट्रीयता के प्रति एक नई दृष्टि विकसित करने पर जोर दिया गया।

# अरावली पर्वतमाला की परिभाषा पर केंद्र, सुप्रीम कोर्ट और समिति तीनों नहीं हैं एकमत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नई दिल्ली,(ईएमएस)। अरावली पर्वतमाला के भविष्य और उसकी भौगोलिक पहचान को लेकर देश की सर्वोच्च संस्थाओं के बीच गंभीर मतभेद उभरकर सामने आए है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित अरावली की नई परिभाषा-जो केवल 100 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही अरावली का हिस्सा मानती है-विवादों के घेरे में है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को इस परिभाषा को स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसकी अपनी ही संस्था सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) और अदालत की सहायता के लिए नियुक्त एमिकस क्यूरी ने इस पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। यह विवाद न केवल कानूनी है, बल्कि इसके पर्यावरणीय परिणाम भी बेहद चिंताजनक हो सकते हैं।

सीईसी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 2002 में पर्यावरण संबंधी आदेशों की निगरानी के लिए गठित किया था, ने इस नई परिभाषा का स्पष्ट विरोध किया है। समिति ने स्पष्ट किया कि 13 अक्टूबर को मंत्रालय द्वारा अदालत में पेश की गई परिभाषा को न तो सीईसी की मंजूरी प्राप्त थी और न ही इसकी कोई औपचारिक जांच की गई थी। इसके विपरीत, सीईसी का तर्क है कि फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) द्वारा 2010 में तैयार की गई परिभाषा को ही अपनाया जाना चाहिए। एफएसआई ने राजस्थान के 15 जिलों में 40,481 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अरावली के रूप में चिह्नित किया था, जिसमें 3 डिग्री ढलान और न्यूनतम ऊंचाई वाली छोटी पहाड़ियों को भी शामिल किया गया था ताकि पर्वतमाला की अखंडता बनी रहे।

मंत्रालय की 100 मीटर की ऊंचाई वाली शर्त पर एमिकस क्यूरी के. परमेश्वर ने अदालत में कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने एक प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि यह परिभाषा अरावली की भौगोलिक निरंतरता को नष्ट कर देगी। यदि केवल 100 मीटर से ऊंची चोटियों को ही अरावली माना जाएगा, तो हजारों छोटी और निचली पहाड़ियां कानूनी संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगी। इसका सीधा परिणाम यह होगा कि ये क्षेत्र खनन और अन्य निर्माण गतिविधियों के लिए खुल जाएंगे। जानकारों का मानना है कि ये छोटी पहाड़ियां थार मरुस्थल के विस्तार को रोकने के लिए प्राकृतिक अवरोध (विंड बैरियर) का काम करती हैं; इनके हटने से मरुस्थलीकरण का खतरा पूर्व की ओर बढ़ सकता है।

सीईसी के अध्यक्ष सिद्धांत दास ने मंत्रालय के दावों को भ्रामक करार देते हुए कहा कि मंत्रालय के हलफनामे में जिन विचारों को समिति का बताया गया है, वे वास्तव में एक सदस्य के व्यक्तिगत विचार थे। समिति ने स्पष्ट किया कि मंत्रालय की रिपोर्ट पर कोई औपचारिक समीक्षा नहीं हुई थी और न ही इसके मसौदे को साझा किया गया था। विरोधाभास तब और गहरा गया जब एफएसआई के एक आंतरिक आकलन से पता चला कि अरावली की कुल 1,18,575 पहाड़ियों में से 99 प्रतिशत से अधिक पहाड़ियां 100 मीटर की नई परिभाषा में शामिल ही नहीं हो पाएंगी। यहां तक कि 20 मीटर से ऊंची पहाड़ियों में से भी लगभग 91.3 प्रतिशत हिस्सा संरक्षण के दायरे से बाहर हो सकता है।पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने हालांकि आश्वासन दिया

है कि अरावली के केवल एक बहुत छोटे हिस्से (0.19 प्रतिशत) में ही खनन की अनुमति है, लेकिन मंत्रालय यह स्पष्ट करने में विफल रहा है कि नई परिभाषा लागू होने के बाद निचले क्षेत्रों में भविष्य के खनन और विकास को कैसे रोका जाएगा। जमीन पर अभी तक कोई वास्तविक सीमांकन नहीं हुआ है, जिससे यह सवाल बरकरार है कि मंत्रालय ने किस आधार पर सुप्रीम कोर्ट को यह भरोसा दिलाया कि 100 मीटर की परिभाषा पुराने मानकों से अधिक क्षेत्र को कवर करेगी। अरावली जैसी प्राचीन पर्वत श्रृंखला के अस्तित्व पर मंडराता यह संकट अब नीतिगत पारदर्शिता और पारिस्थितिक सुरक्षा के बीच एक बड़ी चुनौती बन गया है।